हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 192, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 11 जनवरी, 2024 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

रामलला के दर्शन करने अयोध्या आइए सारा खर्च जनप्रतिनिधि उठाएंगे : योगी

मुख्यमंत्री बोले– लोग अयोध्या का नाम लेने भी डरते थे

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक समय था जब अयोध्या नाम से कइयों को करंट लगता था। लोग अयोध्या का नाम लेने भी डरते थे, लेकिन आज पूरी दुनिया अयोध्या आना चाहती है। नये उतर प्रदेश में त्रेतायुगीन स्वरूप दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि एयर कनेक्टिविटी बढ़ाई गई है ताकि सम्मान से लोग आयेंगे, रामलला के दर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री योगी बुधवार को दोपहर एक बजे बरेली क्लब मैदान में पहुंचे। उन्होंने यहां कई विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए लोगों को अयोध्या आने का निमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी लोगों को अयोध्या आना है, 22 जनवरी के बाद दर्शन के लिए आइए। विधायक और सांसद के जरिए अयोध्या आइए। सारा खर्चा जनप्रतिनिधि उठाएंगे। उन्होंने कहा कि 14 से 20 जनवरी तक स्वच्छता कार्यक्रम चलाएं। नगर, गांव घर को स्वच्छ कीजिए। जैसे दिवाली पर करते हैं। 16 जनवरी से राम नाम संकीर्तन कीजिए। 22 जनवरी को नगर में भंडारा का आयोजन कीजिए। दीपोत्सव के जरिए नए भारत में सहयोग कीजिए। उन्होंने कहा कि हर नागरिक कर्तव्य है कि हर काम देश के नाम। पहले देश, फिर समाज, फिर परिवार और फिर व्यक्ति है।

चहुंओर विकास हो रहा है– योगी– मुख्यमंत्री ने नगर निगम चुनाव में जीत दिलाने के लिए बरेली की जनता का आभार ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में आया था। स्मार्ट सिटी की सरकार में डबल इंजन के साथ ट्रिपल इंजन जोड़ने की जरूरत थी। जनता ने भरोसा जताया और उमेश गौतम को मेयर चुना। मुख्यमंत्री ने कहा कि चहुंओर विकास हो रहा है। वाराणसी, नोएडा में विकास होगा तो बरेली में भी विकास हो रहा है। वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बना तो बरेली में भी नाथ नगरी कॉरिडोर बनाया जा रहा है।

'अब कर्फ्यू नहीं, कांवड़ यात्रा निकलती है'– सीएम योगी ने कहा कि बरेली में कर्फ्यू के दौरान मेरा भी यहां आने का कार्यक्रम था। लेकिन आने नहीं दिया गया। कहा कि बरेली में अब जो कर्फ्यू लगाएगा, उसपर कर्फ्यू लगेगा। उन्होंने कहा कि पहले अलीगढ़, मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, रामपुर में कर्फ्यू लगते थे। अब कर्फ्यू नहीं लगता है। अब कावड़ यात्रा निकलती है। यही बदलता उत्तर प्रदेश है। उन्होंने कहा कि पहले बेटी स्कूल, बाजार नहीं जा पाती थी। क्योंकि जिनकी सरकार थी वे अपराधियों को सुरक्षा देते थे। लेकिन अब सब सुरक्षित हैं। देश में कहीं जाइए बताइए उत्तर प्रदेश से हूं तो लोग खुश होते हैं।

भगवान राम को समर्पित हुआ 24 क्विंटल का घंटा

अयोध्या। श्री रामजन्मभूमि पर जब से मंदिर का निर्माण चल रहा है, भक्त भांति-भांति से अपनी श्रद्धा निवेदित कर रहे हैं। इसी क्रम में श्री रामजन्मभूमि पर बन रहे राम लला के मंदिर के लिए जलेसर में निर्मित किया गया 24 क्विंटल का घंटा मंगलवार को यहां पहुंच गया। इसे राम लला को समर्पित किया जाएगा। यह घंटा एटा के मित्तल परिवार ने बनवाया है। भक्तिभावी मित्तल परिवार इसे रथनुमा वाहन गाजे-बाजे के साथ लेकर आया है। पीतल से निर्मित इस घंटे की विशेषता यह है कि इसकी ध्वनि कई किलोमीटर तक जाएगी और देर तक गूंजती रहेगी। अयोध्या को सोलर सिटी के माडल के तौर पर विकसित करने में उप्र नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) लगा है। वह दुनिया की सबसे बड़ी सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइट्स लाइन परियोजना के रूप में गुप्तारघाट से नयाघाट तक लगी सोलर लाइट को सऊदी अरब के मलहम सिटी से लंबा बता रहा है। परियोजना के तहत 10.15 किमी के स्ट्रेच में 470 सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइट्स गुप्तारघाट से नयाघाट अयोध्या तक 10.2 किमी लंबे पथ पर लगी हैं। नेडा का प्रयास जल्द ही गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड्स में उसे दर्ज कराने का है। उसके अनुसर वर्ष 2021 में लांगेस्ट लाइन आफ द सोलर पावर्ड स्ट्रीट लाइट्स के लिए सऊदी अरब का नाम गिनीज बुक में रिकार्ड मलहम सिटी में 9.7 किमी लंबाई में 468 स्ट्रेच में उसे लगाने के लिए दर्ज है।

'आपके सपने ही मोदी का संकल्प' वाइब्रेंट गुजरात समिट में बोले मोदी

गांधीनगर। आत्मनिर्भर भारत के लिए समृद्ध गुजरात की परिकल्पना के साथ वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का पीएम मोदी ने उद्घाटन किया। इस दौरान यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री पेट्र फियाला, मोजाम्बिक के राष्ट्रपति फिलिप जैसिंटो न्यूसी, तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति जोस रामोस होर्टा समेत कई हस्तियों ने शिरकत की। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि कुछ समय पहले ही वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट को 20 साल पूरे हुए।

बीते 20 वर्षों में इस समिट ने नए विचारों को प्लेटफॉर्म दिया है। इसने निवेश और रिटर्न के लिए गेटवे बनाए हैं। संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की इस बार की थीम है-गेटवे टू द फ्यूचर। 21वीं सदी की दुनिया का भविष्य हमारे साझे प्रयासों से ही उज्ज्वल बनेगा। भारत ने अपने जी20 अध्यक्षता के दौरान भी वैश्विक भविष्य के लिए एक रोडमैप दिया है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यूएई के राष्ट्रपति का इस आयोजन में शामिल होना हमारे लिए बहुत खुशी की बात है। उनका मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होना बारत और यूएई के मजबूत होते आत्मीय संबंधों का प्रतीक है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत को विकसित बनाने का हमारा लक्ष्य है, आपके सपने ही मोदी का संकल्प है। आज तेजी से बदलते हुए वर्ल्ड ऑर्डर में भारत विश्वमित्र की भूमिका में आगे बढ़ रहा है। आज भारत ने विश्व को ये भरोसा दिया है कि हम साझा लक्ष्य तय कर सकते हैं, अपने लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। विश्व कल्याण के लिए भारत की प्रतिबद्धता, निष्ठा, प्रयास और भारत का परिश्रम आज की दुनिया को ज्यादा सुरक्षित और समृद्ध बना रहा है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जबकि 10 साल पहले भारत 11वें स्थान पर था। आज दुनिया की हर प्रमुख रेटिंग एजेंसी का अनुमान है कि भारत अगले कुछ वर्षों में दुनिया की टॉप तीन इकोनॉमी में जाएगा। एक ऐसे समय में जब विश्व अनेक अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है। तब भारत दुनिया में विश्वास की एक नई किरण बनकर उभरा है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत की आजादी के 75 साल पूरे हुए हैं और अब भारत अगले 25 वर्षों के लक्ष्य पर काम कर रहा है। जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष मनाएगा, तब तक हमने भारत को विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है। यह 25 साल का कार्यकाल भारत का अमृतकाल है। इस अमृतकाल में यह पहला वाइब्रेंट गुजरात समिट हो रहा है, इसलिए इसका महत्व और बढ़ गया है।

अंगीठी के धुएं से दम घुटा पांच की दर्दनाक मौत, दो गंभीर

ऑक्सीजन की कमी है मौत का कारण

प्रखर अमरोहा। जिले में मंगलवार को रात एक दर्दनाक हादसा सामने आया है. यहां घर में सो रहे एक ही परिवार के पांच बच्चों की दम घुटने से मौत हो गई. दो अन्य की स्थिति गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. बताया जा रहा है कि परिवार ठंड से बचने के लिए कोयले की अंगीठी जला कर सोया था. बता दें कि यह दर्दनाक हादसा सैद नगली थाना क्षेत्र के अल्लीपुर भूड़ गांव का है. यहां के रहने वाले रईसुद्दीन के घर पर सोमवार रात करीब आठ बजे उसकी पत्नी सहित उसके तीन बच्चे व रिश्तेदारों के दो बच्चे खाना खाकर सो गए थे, लेकिन वे मंगलवार की शाम तक नहीं उठे. जब लोगों को कोई हलचल नहीं दिखी तो उनके घर का दरवाजा तोड़ा गया. घर के अंदर का तो नजारा ही कुछ और था.लोगों ने अंदर जाकर देखा तो

परिवार के पांच सदस्य मृत अवस्था में पड़े थे, जबकि दो बेहोशी की हालत में थे. रात में अंगीठी से निकला धुआं पूरे घर में भर गया था. जब लोगों ने दरवाजा तोड़ा तो घर में धुआं भरा हुआ था. लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया, जहां पांच लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, जबकि दो को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू किया. पुलिस ने कहा कि प्रथम दृष्टया मौत का कारण ऑक्सीजन की कमी हो सकती है क्योंकि इन लोगों ने अपने कमरे में कोयले की अंगीठी जला रखी थी. सूत्रों ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. उन्होंने बताया कि पुलिस का मानना है कि हादसा दम घुटने के कारण हुआ. हालांकि, वह सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

'कारसेवकों पर गोली चलाने का सरकार का फैसला सही था...' : स्वामी प्रसाद मौर्य

कासगंज। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कासगंज में कहा कि कारसेवकों पर तत्कालीन सरकार ने संविधान और कानून की रक्षा के लिए अराजक तत्वों पर देखते ही गोली मारने के आदेश दिए थे। उस समय तत्कालीन सरकार ने अपना कर्तव्य निभाया था। दरअसल, समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता स्वामी प्रसाद मौर्य बौद्ध एकता समिति की ओर से गनेशपुर में आयोजित बौद्ध जन जागरूकता सम्मेलन में मौजूद लोगों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिस समय कारसेवकों पर गोली चलवाने का आदेश जारी किया गया था, उस समय तत्कालीन सरकार अपने फर्ज को निभा रही थी। वह अपने कर्तव्य का पालन कर रही थी।

समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि जिस समय अयोध्या में राम मंदिर पर घटना घटी थी, वहां पर बिना किसी न्यायपालिका और प्रशासनिक के आदेश के बड़े पैमाने पर आराजतक तत्वों ने तोड़फोड़ कर दी थी। इस पर तत्कालीन सरकार ने संविधान और कानून की रक्षा के लिए, अमन और चैन कायम करने के लिए गोलियां चलवाई थीं। अब से 33 साल पहले सन् 1990 में अयोध्या के हनुमान गढ़ी जा रहे कारसेवकों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गईं थीं। उस समय उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी, मुलायम सिंह यादव यूपी के मुख्यमंत्री थे। उन दिनों प्रशासन ने अयोध्या में कर्फ्यू लगाया हुआ था, इसके चलते श्रद्धालुओं को एंट्री नहीं दी जा रही था, लेकिन फिर भी साधु-संत अयोध्या की तरफ कूच कर रहे थे।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होंगी सोनिया गांधी, खरगे-अधीर ने भी किया किनारा

नई दिल्ली। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, मौजूदा अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस के महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने इसकी जानकारी दी है। पार्टी की ओर जारी बयान में कहा गया कि पिछले महीने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन स्वरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन चौधरी को अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिला। इसमें आगे कहा गया कि भगवान राम की पूजा-अर्चना करोड़ों भारतीय करते हैं। धर्म मनुष्य का व्यक्तिगत विषय होता आया है, लेकिन भाजपा और आरएसएस ने वर्षों से अयोध्या में राम मंदिर को एक राजनीतिक परियोजना बना दिया

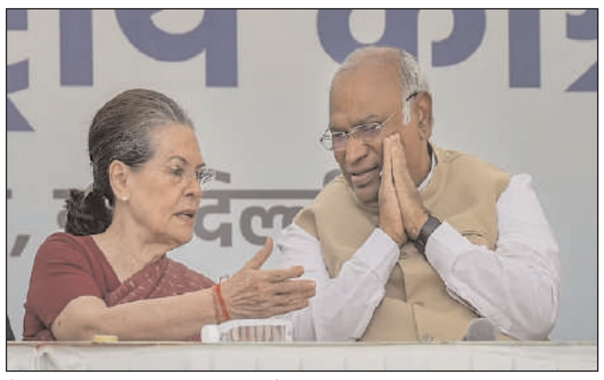

है। बयान में कहा गया, 'स्पष्ट है कि एक अर्द्धनिर्मित मंदिर का उद्घाटन केवल चुनावी लाभ उठाने के लिए ही किया जा रहा है। 2019 के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को स्वीकार करते हुए और लोगों की आस्था के सम्मान में मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और अधीर रंजन चौधरी भाजपा और आरएसएस के इस आयोजन के निमंत्रण को ससम्मान अस्वीकार करते हैं।'

22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा– दरअसल, 22 जनवरी की दोपहर नवनिर्मित मंदिर में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। इस दिन देशभर से अध्यात्म, सिनेमा, खेल, विज्ञान और सियासत से जुड़ी लोग कार्यक्रम में सम्मलित होंगे। इससे पहले पवित्र नगरी को भव्य और दिव्य बनाया जा रहा है। मंदिर तक जाने वाले सड़क और यहां पड़ने वाले चौराहों को बेहद आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। आम जनता के लिए भगवान के दरबार 23 जनवरी से खुलेंगे।

रोहित शुक्ला हत्याकांड में तीन को उम्रकैद, प्रयागराज के पीसीबी हॉस्टल में हुई थी वारदात

प्रयागराज। कर्नलगंज क्षेत्र पीसीबी छात्रावास में अप्रैल 2019 में छात्रों के आपसी विवाद में रोहित शुक्ला की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में आरोपित आदर्श त्रिपाठी निवासी बाराबंकी, अभिषेक उर्फ नवनीत यादव निवासी आजमगढ़, सौरव विश्वकर्मा निवासी गाजीपुर के विरुद्ध अभियोजन का आरोप साबित होने पर सत्र न्यायालय ने आजीवन कारावास एवं प्रत्येक को दस हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। जबकि चार को सबूत के अभाव में बरी कर दिया गया। यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश भारत सिंह यादव ने सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी टीएन दीक्षित और आरोपितों के अधिवक्ता के तर्कों को सुनकर एवं पत्रावली के परिशीलन के उपरांत सुनाया। अभियोजन मामले के अनुसार, वादी मुकदमा राकेश चंद्र शुक्ला निवासी ग्राम नीबी लोहगरा बारा ने कर्नलगंज थाने पर सूचना दिया कि उसके बेटे रोहित शुक्ला को 15 अप्रैल 2019 को आदर्श त्रिपाठी ने फोन करके कर

पीसीबी हास्टल बुलाया। जहां पर पहले से मौजूद आदर्श त्रिपाठी, हिमांशु सिंह एवं हरिओम त्रिपाठी ने रोहित को गोली मार दी। आरोपितों ने घटना से इनकार किया। झूठ फंसाया जाना कहा। अभियोजन ने तथ्य के साक्षी वादी मुकदमा राकेश चंद्र शुक्ला, दिनेश शुक्ला, विवेचक अनूप सिंह, डा. शिवकुमार मौर्य सहित नौ गवाहों की मौखिक गवाही कराकर मामले को साबित किया। सजा के प्रश्न पर एडीजीसी टीएन दीक्षित ने अदालत से कहा कि आरोपितों ने वादी मुकदमा की युवा बेटे की निर्मम हत्या कारित की है। अधिकतम दंड से दंडित किया जाए। जबकि बचाव पक्ष ने कहा कि आरोपित युवा एवं छात्र हैं। उनका प्रथम अपराध है, इसलिए कम से कम सजा दी जाए।

राम जन्मभूमि आंदोलन के बलिदानी रामबहादुर वर्मा के घर निमंत्रण देने पहुँचें संघ के प्रान्त प्रचारक

प्रखर डेस्क। राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े हुए उन तमाम बलिदानियों के घर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारी स्वयं पहुंच रहे हैं। जिन्होंने इस आंदोलन के लिए अपनी प्राणों की आहुति दे दी है। 10 जनवरी बुधवार को दोपहर लगभग 2 बजे काशी प्रान्त प्रचारक रमेश जी व संघ के विभाग संघचालक अरुण कुमार

आज राष्ट्र-राममय और राम-राष्ट्रमय है

सिंह की अगुवाई में जयसिंहपुर तहसील के सरतेज पुरूषोत्तमपुर गांव पहुंचे जहां शहीद कारसेवक के पुत्र काली सहाय वर्मा को निमंत्रण दिया । इसके पहले प्रांत प्रचारक ने बलिदानी कारसेवक स्व. रामबादुर वर्मा के मूर्ति पर माला पहनायी उनके परिवार को अयोध्या में २२ जनवरी को श्री राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा में जाने का निमंत्रण पत्र परिजनों को सौंपा और कहा कारसेवकों के लम्बे संघर्षों और बलिदान से ही श्रीराम मंदिर का निर्माण अपनी पूर्ण अवस्था को प्राप्त कर रहा है । राम लाल के मंदिर के लिए लंबे समय से लड़ाई लड़ रहे हिन्दू जनमानस का आक्रोश ६ दिसम्बर १९९२ को फूटा जिसका परिणाम विवादित ढांचे का टूटना रहा। उसके बाद तमाम तथ्यों के आधार पर ९ नवम्बर २०१९ को देश के सर्वोच्च न्यायालय ने

श्री राममंदिर के पक्ष में एतिहासिक फैसला सुनाया। श्री राम आस्था विश्वास के प्रतीक हैं श्रीराम भारत के आत्मा हैं श्रीराम सत्य-सनातन के प्रतीक भी हैं श्रीराम सबके हैं और सबमें हैं इसलिए श्रीराम मंदिर को लेकर सम्पूर्ण देश में हर्षोल्लास का माहोल है । २२ जनवरी को पूरा देश दिवाली मनाएगा घरों को सजायें दीपमालिका से श्रीरामलला का अभिनंदन करें श्री राम ५०० वर्षों बाद अपने मूल स्थान पर विराजित होंगे।२२ जनवरी को अपने अपने गाँव मुहल्ले के मंदिर में दिन के ११ बजे से १ के बीच विशेष अनुष्ठान करें श्री राम जयराम जय-जयराम का जाप करें। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण मिलने पर स्वर्गीय वर्मा का परिवार , उनके दोनों भाई,पत्नी,बच्चों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज हम सबका परिवार के सभी सदस्यों का जीवन धन्य हो गया। बताते चले कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान 30 अक्टूबर 1990 को रामजन्मभूमि की छत पर गोली लगने से कारसेवक राम बहादुर वर्मा गोली लगने से शहीद हो गए थे।इस अवसर पर विभाग संघचालक, डा एके सिंह,प्रान्त प्रचारक प्रमुख रामचंद्र जी,विभाग प्रचारक श्रीप्रकाश जी,जिला प्रचारक आशीष जी,विधायक राजबाबू उपाध्याय,भाजपा जिला अध्यक्ष आर ए वर्मा,कृपाशंकर द्विवेदी,महिमाशंकर द्विवेदी,पूर्व मंत्री ओमप्रकाश पांडेय,पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉक्टर एमपी सिंह,क्षेत्र महामंत्री सुशील त्रिपाठी क्षेत्र उपाध्यक्ष चुन्नू सिंह, पूर्व विधायक अर्जुन सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष सीताशरण त्रिपाठी, राकेश सिंह, भानुप्रताप सिंह आदि सैकड़ों की संख्या में रामभक्त विश्व हिंदू परिषद किसान संघ सहित संघ परिवार के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

पहाड़ों के मौसम का बिगड़ता मिजाज, बढ़ेगी मैदानी इलाकों की मुश्किलें

पहाड़ मैदानों के मौसम का मिजाज साधने में मदद करते हैं। बादलों के बरसने, हवाओं में नमी भरने, नदियों को सदानीरा बनाए रखने में पहाड़ों का बड़ा योगदान होता है। उनकी हरियाली सैलानियों का मन तो मोहती ही है, अनेक औषधीय वनस्पतियां भी सहेजती है। मैदानी भागों की कृषि काफी कुछ पहाड़ों से पोषण पाती है। मगर जलवायु परिवर्तन के चलते अब पहाड़ खुद बंजर होने की तरफ बढ़ चले हैं। उत्तराखंड में जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्यागिकी विश्वविद्यालय के एक शोध से पता चला है कि इस वर्ष पिछले चालीस वर्षों की तुलना में वर्षा स्तर में उल्लेखनीय कमी दर्ज हुई है। न्यूनतम तापमान में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है, जिसके चलते तराई क्षेत्रों में फसलों के समय से पहले पकने और उत्पादन में कमी आने की आशंका गहरी हो गई है। शोध में वर्षा के स्तर, धूप की अवधि और वाष्पीकरण की दर पहले की तुलना में काफी घट गई है। इन स्थितियों में फिलहाल सुधार की कोई गुंजाइश नजर नहीं आ रही। इसी तरह इस वर्ष जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों पर अभी तक बर्फ नहीं गिरी है। कश्मीर के जिस गुलमर्ग इलाके में इस समय बर्फ की मोटी चादर पसरी होती थी, वहां सूखा पसरा है। यही हाल हिमाचल के पहाड़ों का है। पहाड़ों पर इस पारिस्थितिकी असंतुलन के पीछे अलनीनो प्रभाव बड़ा कारण माना जा रहा है। मौसम में शुष्कता होने की वजह से पहाड़ों पर सूखी ठंड पड़ रही है। इससे पहाड़ी इलाकों में पहुंचे सैलानियों में तो निराशा नजर आ ही रही है, कृषि उत्पादन में कमी को लेकर भी चिंता गहराने लगी है। दरअसल, धूप के घंटों और वाष्पीकरण में कमी के चलते पहाड़ी इलाकों में बादल नहीं बन पा रहे, जिससे वहां वर्षा कम हुई है। माकूल बरसात न होने से बर्फ भी नहीं पड़ रही। बर्फ कम पड़ेगी तो प्राकृतिक जल स्त्रोतों का स्तर भी घटेगा। पहले ही कई पहाड़ों की झीलों, जलकुंडों आदि में जल स्तर घटने के तथ्य सामने आ चुके हैं। ताजा अध्ययनों से यह स्थिति और चिंता बढ़ा सकती है। पहाड़ों पर बिगड़ते पारिस्थितिकी संतुलन, अतार्किक ढंग से चलाए जा रहे विकास कार्यों के कारण भंगुर पहाड़ों पर अनेक भयावह नतीजे देखे जा चुके हैं। उनसे पार पाना बड़ी चुनौती है। अब उन पर बढ़ता बंजरपन नए संकट झेलने को मजबूर कर सकता है। बढ़ते तापमान और सर्दी की अवधि में निरंतर संकुचन से गेहूं और कई दलहनी फसलों के उत्पादन में हर वर्ष कुछ कमी दर्ज हो रही है। अनियमित और असंतुलित वर्षा के कारण धान और तिलहनी फसलों का उत्पादन भी घट रहा है। ऐसे में पहाड़ों के मौसम का बिगड़ता मिजाज मैदानी इलाकों की मुश्किलें और बढ़ाएगा। मगर विडंबना है कि रोज-रोज उठ खड़े हो रहे संकटों और उनकी वजहों की जानकारी प्रकट होने के बावजूद अपेक्षित जागरूकता कहीं नजर नहीं आती। पहाड़ों और वनों की कटाई, औद्योगिक विकास के नाम पर पारिस्थितिकी के लिहाज से संवेदनशील इलाकों में निर्माण कार्यों को छूट दी जा रही है। विचित्र है कि सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि पर्यावरण विभाग की इजाजत के बगैर कहीं भी विकास परियोजनाओं को मंजूरी नहीं दी जा सकती। पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पहाड़ों को जिस प्रकार घायल कर दिया गया है, कचरा निष्पादन की चुनौतियां पैदा कर दी गई हैं, उसे भी रोकने के प्रयास नजर नहीं आते। ऐसे में संकटों का सामना कैसे किया जा सकता है!

डबलिंग मर्डर काण्ड में पूर्व सांसद और एमएलसी ने परिजनों को पोछे आंसू

प्रखर खेतासराय(जौनपुर)। कस्बे में जिले को झकझोर कर देने वाली घटित दोहरे हत्याकांड में बुधवार को पूर्व सांसद धनंजय सिंह और एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनके आँसू पोछे । उन्हें ढाढस बंधाते हुए दो लाख की आर्थिक मदद दी । परिवार में बची एक मात्र बेटी विनीता को नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया । पूर्व सांसद धनंजय सिंह व विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह बुधवार की शाम बभनौटी पहुँचे । दोनों जनप्रतिनिधियों को देख माहौल गमगीन हो उठा । मृतक के पिता फूल चन्द्र प्रजापति को दो लाख का चेक दिया । बेटी विनीता प्रजापति से शैक्षिक योग्यता के बारे में जानकारी ली । शासन से नौकरी दिलाने की प्रयास की बात कही । गौरतलब है कि 28 नवंबर को नगर के खुटहन रोड पर चाउमीन की दुकान चला रहे दो सगे भाई अजय व अंकित की दुःसाहस तरीके से बारात में शामिल युवकों ने चाकू गोदकर हत्या कर दी थी । घटना के पाँच घण्टे के दरम्यान सभी छः आरोपितों को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया । जिसमें तीन बदमाश के पैर में गोली लगी थी । इस मौके पर प्रमुख रूप से प्रमोद मौर्या सोनू, दीनानाथ राजभर, महेंद्र प्रधान, रमेश निषाद, अमित सोनकर, वीरेन्द्र, सुनील कुमार, ओमप्रकाश गुप्ता, डॉ प्रमोद राजभर, अनिल गौतम, अशोक यादव समाजसेवी समेत अन्य लोग मौजूद रहे ।

जौनपुर में 12 जनवरी तक कक्षा आठ तक के सभी विद्यालय रहेगे बन्द : बीएसए

प्रखर जौनपुर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने गलन और ठंडक के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए जनपद जौनपुर में कक्षा एक से आठ तक के सभी विद्यालयो को अब 12 जनवरी तक बन्द करने का आदेश जारी किया है। बीएसए ने बताया कि समस्त खंड शिक्षा अधिकारी /प्रधानाचार्य/प्रबन्धक को निर्देशित किया गया है कि जिलाधिकारी के निर्देश के क्रम में सभी सी बी एस ई /आई सी एस ई /उ0प्र0 बोर्ड, मान्यता प्राप्त, सहायता प्राप्त,एवं मदरसा में कक्षा 1 से 8 तक सभी विद्यालय अत्यधिक शीतलहर एवं ठंड के कारण दिनांक 12 जनवरी 2024 तक बंद रहेंगे।इसका कड़ाई से अनुपालन कराया जाना सुनिश्चित करें। अवहेलना करने वालो के खिलाफ विधिक कार्यवाई की जाए।

विहिप के कार्यकर्ताओ ने फूंका जौनपुर के सांसद का पुतला

प्रखर जौनपुर। सांसद श्याम सिंह यादव द्वारा एक टीवी चैनल पर राम मंदिर को लेकर दिए गए विवादित बयान से नाराज विश्व हिन्दू परिषद ने नगर के चहारसू चौराहे पर उनका पुतला फूंककर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। इससे पूर्व विहिप के कार्यकर्ताओ ने सदभावन पुल से शव यात्रा निकालकर सांसद के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए जमकर अपनी भड़ास निकाली। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण और 22 जनवरी को होने जा रही प्राण प्रतिष्ठा से विपक्षी पार्टी के नेताओ के आये दिन विवादित बयान सामने आ रहा है , इसी कड़ी में जौनपुर के बसपा सांसद श्याम सिंह यादव का नाम भी जुड़ गया है। आरोप है कि बसपा सांसद राम मंदिर को लेकर आपत्ति जनक बयान एक न्यूज चैनल को दिया है। श्याम सिंह यादव का बयान सुनने के बाद विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता आक्रोशित हो गए। जिलाध्यक्ष विमल सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओ ने सदभावन भावना पुल से सांसद का प्रतीकात्मक पुतला लेकर शव यात्रा निकली तथा चहासु चौराहे पर ले जाकर पुतला दहन करके सांसद के विरुद्ध नारेबाजी की। विहिप के जिलाध्यक्ष विमल सिंह ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आपसी सौहार्द के साथ आगामी 22 जनवरी को नवनिर्मित मंदिर में प्रभु श्री राम को स्थापित करने जा रहे दूसरी तरफ बसपा सांसद टीवी चैनल पर विवादित बयान देकर देश का सौहार्द बिगाड़ने का कार्य कर रहे है।

विदेश मंत्री जयशंकर के दौरे ने भारत-नेपाल संबंधों को नई ऊँचाई पर पहुँचाया

प्रवीण गुगनानी

हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर वर्ष दो हजार चौबीस की अपनी पहली यात्रा में नेपाल गये। समय बड़ा ही प्रासंगिक है, जिसे कि परफेक्ट टाइमिंग कहा जाता है। इधर अयोध्या में नेपाल से आई शालिग्राम शिलाओं से शिल्पित मूर्तियों का पूजन प्रारंभ होना है और उधर एस. जयशंकर काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में ॐ नमः शिवाय कर आये। एक ऐसा देश जो आज भी अपनी मानसिकता से एक हिंदू राष्ट्र है, एक ऐसा देश जहां गौवंश हत्या प्रतिबंधित है, एक ऐसा देश जहां धर्मांतरण प्रतिबंधित है और एक ऐसा देश जिसकी सीमाएं हमारे पांच राज्यों से मिलती हों; उससे हमारे केवल कूटनीतिक ही नहीं अपितु सभी प्रकार के संबंध सुदृढ़ होना ही चाहिये। अट्ठारह सौ पचास किमी की सांझी सीमा वाले भारत और नेपाल वस्तुतः एक ही संस्कृति, भाषा, धर्म, इतिहास, पूर्वज वाले देश हैं। कुछ समय पूर्व तक चीन के संक्रमण में चल रहे नेपाल की यह भारतीय विदेश मंत्री की आधिकारिक यात्रा अनेक दृष्टियों से एक इतिहास लिखने जा रही है। सबसे बड़ी बात यही है कि, नेपाल अब पुनः भारतोन्मुखी हो रहा है। एस जयशंकर ने नेपाल में एक पुस्तकालय, पच्चीस विद्यालय, बत्तीस स्वास्थ्य परियोजनाओं व एक सांस्कृतिक विरासत क्षेत्र परियोजना का शुभारंभ किया है।

चीनी ड्रैगन को झटका देते हुए भारत ने नेपाल के साथ एक बड़े ऊर्जा समझौते को आगे बढ़ा लिया है। भारत नेपाल के मध्य दस हजार मेगावाट की बिजली क्रय करने के इस समझौते पर बीजिंग लगातार गिद्ध दृष्टि गड़ाये हुए था व इस अनुबंध का मुखर विरोध कर रहा था और नेपाल को भयभीत भी कर रहा था। भारत के सहयोग से कई हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट विकसित करने वाले नेपाल के साथ अब भारत आगे भी नेपाल के साथ ऊर्जा परियोजनाओं को प्रारंभ करने का मार्ग खोल चुका है। रोटी और बेटी के संबंध वाले भारत नेपाल के हाइड्रोपाइवर सेक्टर पर चीन की तिरछी नजर कई वर्षों से लगी हुई थी। इसी हाइड्रोपॉवर पर नजर गड़ाये चीन ने बड़ी सक्रियता से बेल्ट एंड रोड नाम की चीनी पहल के माध्यम से नेपाल में सड़कें बनाई हैं। भारतीय विदेश नीति ने हाल ही में किए गये अपने प्रयासों से नेपाल के हाइड्रोपॉवर का दोहन करने का अपना तंत्र बड़ी ही प्रभावशाली रीति नीति से विकसित करके चीन को मात दे दी है। अब नेपाल की छः हजार नदियों के तंत्र से बनी बयालीस हजार किलोवॉट बिजली उत्पादन क्षमता का भारत द्वारा व्यवस्थित उपयोग किया जा सकेगा। फॉरेन पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुसार, चीन और भारत के रूप में एशिया की दो बड़ी ताकतों के बीच नेपाल खुद को असहज पाता है; किंतु यह सत्य नहीं है। नेपाल चीन के साथ असहज है क्योंकि उसके साथ नेपाल अर्थशक्ति व सैन्यशक्ति के दबाव में रहता है व उनके संबंध कृत्रिम हैं जबकि भारत नेपाल की ओर सहज सहोदर की दृष्टि से देखता है और इसी अनुरूप आचरण भी करता है। अब के दौर में अवश्य चीन व भारत के मध्य नेपाल पर प्रभाव को लेकर प्रतिद्वंद्विता का वातावरण बना हुआ है। 6000 नदियों के साथ नेपाल के पास 42,000 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता है। नेपाल व भारत का संबंध तो वैदिक काल से रहा है। वेदों में व अन्य प्राचीनतम शास्त्रों में भारत के ही एक अंग के रूप नेपाल का उल्लेख होता रहा है।

नेपाल व भारत की सांझी ऐतिहासिक विरासत इस प्रकार की है कि नेपाल स्वयं को भारत से दूर कर ही नहीं सकता है। मध्य मध्य में नेपाल के कुछ राष्ट्राध्यक्षों के कार्यकाल में, चीन के कूटनीतिक प्रभाव ने अपना रंग अवश्य दिखाया था। नेपाल भारत की जनता मानसिकता के स्तर पर इस प्रकार जुड़ी हुई है कि नेपाली शासन द्वारा चीन की ओर बढ़ाये गये कदमों को उन्हें वापिस लेना ही पड़ता है।

भारत की ओर से नेपाल संग संबंधों को आर्थिक, कूटनीतिक, सामरिक, सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक आधार देने हेतु समय समय पर बड़प्पन भरे कदम उठाये जाते रहे हैं। पिछले ही वर्ष भारत ने इस दिशा में एक ओर बड़ा कदम उठाया था जब हमने अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के विग्रहों के निर्माण हेतु शालिग्राम की बड़ी बड़ी शिलाएं नेपाल के पोखरा की गंडकी नदी से निकलवाकर बुलवाई थी। अयोध्या जो कि शीघ्र ही भारत की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में समूचे विश्व में प्रसिद्ध होने वाला है, वहां के मंदिरों में, मूर्ति निर्माण हेतु, नेपाल के पत्थर का उपयोग निश्चित ही भारत-नेपाल के संबंधों को एक सांस्कृतिक आधार प्रदान करेगा। यह एक प्रकार का भावनात्मक संबंध होगा जिसे क्षीण या दुर्बल करना दोनों देशों के शासनाध्यक्षों के बस में भी नहीं होगा। जब इन शिलाओं को भारत लाया जा रहा था तो भारत व नेपाल के दीर्घ सड़क मार्ग पर इन शिलाओं का करोड़ों भारतीयों व नेपालियों ने भावभीना पूजन किया था। इन शिलाओं को भारत लाते समय नेपाल व भारत के कई राजनेता, गणमान्य नागरिक व सामान्य जनता ने इन ट्रकों के साथ कई कई किमी पदयात्रा की थी। यह भारत नेपाल के प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों का एक नवीन स्वरूप था जो भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पनाशक्ति का परिणाम है। अब नेपाल व भारत की कई कई आगामी पीढ़ियां इस बात पर गर्व करेंगी कि भारत की सांस्कृतिक राजधानी अयोध्या में जन्मभूमि मंदिर में विराजित प्रतिमाओं का शिलाएं भगवान पशुपतिनाथ जी की ओर से भेजी गई थी।

इस आधारभूमि पर विकसित हुई अपनी नेपाल यात्रा में एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री प्रचंड, राष्ट्रपति पौडेल सहित कई राजनेताओं से स्नेहवार्ता की है। इस यात्रा में भारत ने नेपाल के प्रति जहां अत्यंत स्नेहपूर्ण व्यवहार प्रस्तुत किया है वहीं भारत ने नेपाल में चीन द्वारा निर्मित पोखरा व भैरवा हवाई अड्डों को मार्ग देने के प्रस्ताव को पुनः सुदृढ़ता से नकार दिया है। नेपाल की पूर्व ओली सरकार ने भारत के विरोध के पश्चात भी इन हवाई अड्डों का निर्माण ठेका चीन को दे दिया था। भारत ने अपने विदेश मंत्री की इस यात्रा के मुख्य उद्देश्य; कनेक्टिविटी, डिजिटल भुगतान और व्यापार सहित विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच सहयोग में वृद्धि; को प्राप्त कर लिया है। अब भारत आगामी दस वर्षों में नेपाल से दस हजार मेगावाट बिजली लेगा। इस हेतु ट्रांसमिशन लाइनों का उद्घाटन कर दिया गया है। हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नेपाल में पुनर्निर्माण परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने पड़ोसियों विशेष रूप से नेपाल के साथ अपने संबंधों को फिर से परिभाषित करने के लिए प्रतिबद्ध है। वे यह भी बोले कि, विगत वर्ष आए भूकंप से प्रभावित नेपाल में बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए भारत 75 मिलियन डॉलर (करीब 1000 करोड़ नेपाली रुपये) का वित्तीय पैकेज देगा।

इंडिया गठबंधन में सीटों का बंटवारा कांग्रेस के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना

संतोष पाठक

देश की सबसे पुरानी पार्टी और देश में सबसे ज्यादा लंबे समय तक राज करने वाली पार्टी कांग्रेस राजनीतिक रूप से शायद अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है, अगर यह कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। देश को सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री देने वाली कांग्रेस के पास आज लोक सभा में इतने भी सांसद नहीं है कि उसे आधिकारिक रूप से विपक्षी दल का दर्जा दिया मिल सके। हालिया विधानसभा चुनावों में राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सरकार गंवाने के बाद कांग्रेस की हालत यह हो गई है कि उत्तर प्रदेश में पहले से ही कांग्रेस पर हमलावर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने अपने हमले और तेज कर दिए हैं तो वहीं कांग्रेस के साथ सीटों के तालमेल को लेकर बातचीत कर रहे और विपक्षी गठबंधन में शामिल होने के बावजूद आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल ने गुजरात जाकर मंच से ही अपने उम्मीदवार के नाम का एलान कर दिया। कांग्रेस की हालत का अंदाजा तो इसी से लगाया जा सकता है कि जिस नीतीश कुमार ने सभी क्षेत्रीय दलों को अपने मतभेदों को बुलाकर कांग्रेस के साथ आने

को तैयार किया, अब उन्हीं नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू कांग्रेस की तीखी आलोचना कर रही है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस भी अधीर रंजन चौधरी के राष्ट्रपति शासन वाले बयान से बौखलाई हुई है।

आज हालत यह हो गई है कि लालू यादव की आरजेडी और नीतीश कुमार की जेडीयू बिहार में कांग्रेस को लड़ने के लिए लोक सभा की ज्यादा सीटें तक देने को तैयार नहीं है और यही रवैया उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का भी है। वहीं आम आदमी पार्टी कांग्रेस के साथ अपने समझौते को सिर्फ दिल्ली तक ही सीमित नहीं रखना चाहती है बल्कि खबरें तो यहां तक निकल कर सामने आ रही है कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब, हरियाणा और गुजरात सहित कुछ अन्य राज्यों में भी कांग्रेस से इतनी सीटों की डिमांड कर दी है जिसे पूरा कर पाना कांग्रेस के लिए कतई संभव नहीं है। महाराष्ट्र में भी शरद पवार और उद्धव ठाकरे अपनी-अपनी पार्टी के पूरी तरह से टूट जाने के बावजूद भी कांग्रेस पर ज्यादा सीटें देने का दबाव डाल रहे हैं।

कहा जा रहा है कि, अगर कांग्रेस अपने सभी सहयोगी दलों की बात मान लेती है तो फिर उसके पास लड़ने के लिए शायद लोक सभा की 200 सीटें भी न बचें जबकि कांग्रेस पिछले यानी 2019 के लोक सभा चुनाव में 421 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। हालांकि क्षेत्रीय दलों की भी अपनी समस्याएं हैं। पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस, महाराष्ट्र की एनसीपी, उत्तर प्रदेश की आरएलडी और जम्मू-कश्मीर की पीडीपी सहित कई पार्टियों का जन्म तो कांग्रेस से ही निकल कर हुआ है और कांग्रेस के वोट बैंक को छीनकर ही ये दल मजबूत भी बने हैं वहीं आम आदमी पार्टी, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल जैसे कई दल ऐसे भी हैं जो कांग्रेस के वजूद को खत्म करके ही मजबूत बने है और ऐसे सभी दलों को यह डर भी सता रहा है कि कांग्रेस के मजबूत होने से उन्हें नुकसान होगा इसलिए वो कांग्रेस की कमजोरी का फायदा उठाकर पूरी तरह से बारगेन कर लेना चाहते हैं और ये हालत भी तब है जब इन सभी क्षेत्रीय दलों को यह बखूबी मालूम है कि इनमें से कोई भी कांग्रेस के साथ के बिना भाजपा को कड़ी टक्कर देने में सक्षम नहीं है। इसलिए यह कहा जा रहा है कि कांग्रेस के लिए विपक्षी गठबंधन में सीटों का बंटवारा सबसे बड़ी चुनौती बन गया है क्योंकि उसके सहयोगी क्षेत्रीय दलों को उसका कमजोर होना ही ज्यादा रास आ रहा है।

हिंदी भाषा का बढ़ता वैश्विक फलक : डॉ. आरसी पांडेय

विश्व हिंदी दिवस प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्व में हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार करना है। विश्व में हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से महाराष्ट्र के नागपुर में 10 जनवरी से 14 जनवरी, 1975 ई. को पहला विश्व हिंदी सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस सम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। सम्मेलन में हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा का स्थान दिलाने का प्रस्ताव पारित हुआ। चूंकि पहला विश्व हिंदी सम्मेलन 10 जनवरी को आयोजित किया गया था इसलिए इस दिन के महत्व को बनाए रखने के लिए वर्ष 2006 में तत्कालीन केंद्र सरकार ने 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाए जाने का निर्णय किया। तभी से हर वर्ष 10 जनवरी को हिंदी भाषा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने हेतु विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के विश्व हिंदी दिवस की थीम है हिंदी पारंपरिक ज्ञान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता।

हिंदी विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है जो हमारे पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक ज्ञान विज्ञान को समाहित किए हुए है। हिंदी भारत की राजभाषा के साथ-साथ दक्षिण प्रशांत महासागर क्षेत्र के फिजी नामक द्वीप देश की आधिकारिक भाषा भी है। भारत के अलावा फिलीपींस, मॉरिशस, फिजी, नेपाल, सूरीनाम, गुयाना, त्रिनिनाद, तिब्बत तथा पाकिस्तान में थोड़ी बहुत हेरफेर के साथ हिंदी बोली तथा समझी जाती है। आज विश्व में 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा सिखाई जा रही हैं। वर्तमान समय में संयुक्त राष्ट्र संघ की 6 आधिकारिक भाषाओं में अंग्रेजी और चीनी को छोड़कर फ्रेंच, स्पेनिश, रशियन और अरबी तो हिंदी के सामने कहीं टिकती भी नहीं है। बावजूद इसके हिंदी को संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा का दर्जा नहीं मिला है।

वैश्विक परिदृश्य में भारत की बढ़ती साख से हिंदी भाषा का भी महत्व बढ़ा है। हिंदी अपनी परंपरा को आत्मसात किए तकनीकी रूप से मजबूत हो रही है। हिंदी संभवतः दुनिया की सबसे वैज्ञानिक भाषा है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि यह जैसे बोली जाती है वैसे ही लिखी भी जाती है। इस लिहाज से हिंदी सबसे सरल भाषा है। दुनिया में सबसे पहले ज्ञान का सृजन संस्कृत भाषा में हुआ। हिंदी की उत्पति संस्कृत भाषा से हुई है। संस्कृत भाषा के समृद्ध ज्ञान परंपरा को आत्मसात किए हिंदी भाषा आधुनिक संदर्भों से जुड़कर आगे बढ़ रही है। वसुधैवकुटुंबकम् की भावना का प्रसार करते हुए संपूर्ण विश्व के कल्याण की भावना निहित है। इसलिए जब कामयानी में जयशंकर प्रसाद जी लिखते हैं कि 'औरों को हंसते देखो मनु, हंसो और सुख पाओ, अपने सुख को विस्तृत कर लो सबको सुखी बनाओ' तो वे विश्व कल्याण की भावना का प्रसार कर रहे होते हैं। हिंदी भाषा अपने स्वरूप के पाने में तमाम संघर्षों से गुजरना पड़ा है। उसे दबाने या कमतर आंकने के प्रयास आज भी देखने को मिलते हैं। बावजूद हिंदी जन भाषा के रूप में सतत प्रवाहमान है। अपने ही देश में राष्ट्रभाषा के रूप में स्वीकार करने में अड़चने आती रहती हैं। शुभ संकेत है कि हिंदी के प्रति देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी स्वीकार्यता बढ़ रही है। बाजार, मीडिया तथा इंटरनेट व सोशल साइट्स के माध्यम से हिंदी वैश्विक स्तर पर मजबूत बन रही है। इसमें वैश्विक संवाद की भाषा बनने के क्षमता है। भाषा वैज्ञानिक देवेंद्र नाथ शर्मा अपनी पुस्तक 'राष्ट्रभाषा हिंदीः समस्याएं और समाधान' नमक पुस्तक में लिखते हैं कि 'हिंदी के प्रसार के लिए कभी किसी ने चेष्टा नहीं की। हां उसे दबाने की चेष्टाएं पिछले हजार वर्षों से होती आ रही है। इस अवरोध और बाधा के बावजूद हिंदी जहां तक बढ़ी है वह अपनी केवल अंतर्निहित शक्ति के कारण।' हिंदी भाषा की इसी शक्ति के बदौलत यह संयुक्त राष्ट्र भाषा की आधिकारिक भाषा की सच्ची अधिकारी भी है। आज जब देश दुनिया में भारत की परंपरा व संस्कृति के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ रहा है ऐसे में हिंदी भाषा का भी प्रसार होना तय है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

विभिन्न क्षेत्रों में साहित्यकारों व पत्रकारों को दिया गया प्रेरणा सम्मान 2024 देश की प्रतिष्ठित संस्था ने दिया यह सम्मान

प्रखर लखनऊ। हिंदी के प्रचार प्रसार व उन्नयन के लिए काम कर रही देश की प्रतिष्ठित हिंदी सेवी संस्था ने साहित्य/ पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करने वाले विभिन्न महानुभावों को -प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा व हिंदी प्रचार प्रसार के साथसाहित्यिक सहित समाज के विभिन्न क्षेत्रों में प्रेरणादायक कार्य करने वाले पत्रकारो, शिक्षाविदो, व समाजसेवियों को निरंतर सम्मानित करने का काम कर रही है। जिससे समाज में नव जागृति पैदा हो और इस दिशा में लोगों को काम करने की प्रेरणा मिल सके।इसी क्रम में संस्था के शीर्ष पदाधिकारियों डॉ गुंडाल विजय कुमार, प्रदीप मिश्र अजनबी, डॉ हरेंद्र हर्ष, डॉ लाल सिंह किरार के सतत प्रयासों से प्रेरणा हिंदी प्रचारिणी सभा अपने हिंदी प्रचार का काम कर रही है और इन कार्यों के दौरान समाज के हर वर्ग से संवाद भी बनाए हुए हैं जिससे भविष्य में और बेहतर किया जा सके। दिनांक 10.01.2024 को जारी विज्ञप्ति में कवि संगम त्रिपाठी ने बताया कि इसी तारतम्य में वर्ष 2024 के प्रथम माह में सर्वप्रथम हिंदी सेवी सम्मान 2024 अजय पांडेय पत्रकार प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश। हिंदी प्रेमी सम्मान 2024 राम गोपाल फरक्या मंदसौर व सुरेश विद्यार्थी औरंगाबाद बिहार। हिंदी भक्त सम्मान 2024 बलराम द्विवेदी सुन्दरदादर उमरिया व रामनिवास तिवारी आशुकवि निवाड़ी मध्यप्रदेश। पत्रकारिता सम्मान 2024 संतोष कुमार पांडेय सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश। समाजसेवी सम्मान 2024 रोहित मिश्रा राष्ट्रवादी संपादक रोहित संवाद बाराबंकी उत्तर प्रदेश व डॉ नितिन मनोत अहमदाबाद गुजरात को दिया गया।

धुकधुकी

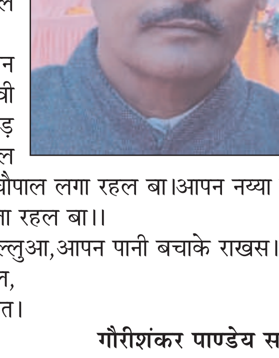

गरम हो गईल देशी सियासत
धूर में जेवर बरा रहल बा।
मुखिया खातिर रार मचल
बा, बिन तेल क पुआ छना रहल
बा।।
बदजुबानी जंग रंग आपन
अलगां दिखा रहल बा। चुनावी
पटखनी खाके लोगवा,गला फाड़
चिल्ला रहल बा।। उठल
धुकधुकी दिल में अईसन,चर चौपाल लगा रहल बा।आपन नय्या पार
लगल ना,दूसरा के दिलासा दिला रहल बा।।
कहेला कल्लुआ सुन रे ठल्लुआ,आपन पानी बचाके राखस।
लागत की दिन पातर आईल,
सरस सोचि के हियरा हांफत।

गौरीशंकर पाण्डेय सरस

विश्वविद्यालय के लिए जमीन दे कर पूर्व सांसद ने दिया था बड़ा योगदान : लालचंद

स्वर्गीय अर्जुन सिंह की जयंती पर प्रतियोगिताओ का आयोजन, गुलाबी देवी पीजी कॉलेज सिद्दीकपुर में आयोजित हुआ कार्यक्रम

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जैसे बड़े शिक्षण संस्थान के लिए पूर्व सांसद स्व. अर्जुन सिंह यादव ने जमीन दान कर बड़ा योगदान दिया था, ग्रामीण क्षेत्रों में कई बड़े शिक्षण संस्थान की स्थापना कर शिक्षा की अलख जगाई । वह सादगी समाज सेवा सरलता के प्रतीक थे। समाज सेवा के लिए बड़ी प्रतिपूर्ति थे।उक्त बातें प्रबंधक सपा के वरिष्ठ नेता लालचंद यादव लाले ने कहीं ,उन्होंने कहा कि वह हमेशा दूसरों के भलाई के लिए ही जिए थे, राजनीति में भी रहकर उन्होंने निर्दल विधायक सांसद बनकर जनसेवा की। प्राचार्य डॉ रमाशंकर सिंह ने कहा कि उन्हें सरकार मे मंत्री जैसे पदों का लालच दिया गया लेकिन वह जनता के बीच बने रहने के लिए ठुकरा दिए थे । उनकी जयंती पर हम हिंदुस्तानी ट्रस्ट व जय किसान आंदोलन के संयुक्त तत्वाधान में गुलाबी देवी महाविद्यालय सिद्धीकपुर में भूतपूर्व सांसद स्वर्गीय अर्जुन सिंह यादव की जयंती समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ अश्विनी कुमार ने उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। इस दौरान पोस्टर भाषण समेत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में पहले स्थान पर किरण कश्यप, द्वितीय स्थान पर किरन बिन्द तथा तीसरे स्थान पर कंचन यादव रहे। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम आस्तिक कुमार ,दूसरे पर करीना कुमारी, तीसरे पर मनीष यादव रहे। क्विज प्रतियोगिता में पहले पर आस्तिक, दूसरे पर शिल्पा तथा तीसरे पर मौसम गुप्ता रही ।अध्यक्षता कर रहे हैं संयोजक अश्वनी कुमार ने कहा कि पूर्वांचल विश्वविद्यालय शिक्षा संस्थान के लिए उन्होंने जमीन दिया लेकिन आज तक उनके नाम का कोई कैंपस नहीं है यह बड़े दुखद है इसकी मांग कुलपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री से भी होना चाहिए कि उनके नाम किसी एक फैकल्टी का नाम किया जाए। विजेताओ को लालचंद यादव लाले, प्राचार्य डॉ रमाशंकर ,डॉ अमित यादव संतोष कुमार ने मेडल व प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर डॉ पंकज कुमार, रंजीत, प्रवेश कुमार यादव, अमन कश्यप, संत बहाल प्रजापति ,एडवोकेट मानसिंह ,प्रवेश सचिन कश्यप, रोशन ,विष्णु यादव मौजूद रहे।

अयोध्या से पूजित अक्षत की गाजे बाजे के साथ निकाली भव्य कलश यात्रा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या से आए पूजित अक्षत की भव्य कलश शोभा यात्रा गाजे बाजे, बैंड - ढोल ताशों व हाथी घोड़े के साथ बुधवार निकाली गयी। जिसमें श्री राम सीता व हनुमान जी की झांकी के साथ हजारों पुरुष महिलाएं यात्रा में शामिल हुए। इसका आयोजन विश्व हिंदू परिषद व हिन्दू युवा वाहिनी के बैनर तले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के तत्वावधान में नगर के सभी धार्मिक सामाजिक संगठनो एवं रामलीला समिति द्वारा किया गया। अक्षत कलश यात्रा राघव संगत कुटी से शुरू होकर बाजार, पुलिस चौकी , सदर बाजार, बस स्टैंड होते हुए मां चंडी मंदिर पर पूजा अर्चना के बाद समाप्त हुई । यात्रा में शामिल विश्व हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक के कार्यकताओं ने जय श्री राम के नारों के उद्घोष के साथ यात्रा की शुरूआत की और पूरे नगर में अक्षत कलश यात्रा को घुमाया गया और लोगों से अपील की गई की 22 जनवरी को अयोध्या जरूर जाएं वहीं अयोध्या से आई हुई अक्षत और निमंत्रण पत्र नगर के हर घर में भेजा जा रहा है और उनको न्यौता दिया जा रहा है। 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले विशाल प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के अवसर पर अपने नगर के प्रमुख मंदिर में शामिल होकर अपने को पुण्य का भागीदार बनाएं। इस मौके पर नाम हरिशंकर राय ,कंचन तिवारी , संतोष जायसवाल ,डॉक्टर अशोक राय, धर्मेंद्र राय, संतोष गुप्ता मनीष वर्मा, राकेश जयसवाल, जितेंद्र गुप्ता, गोलू वर्मा, मोनू चौहान, सत्यम खरवार, आनन्द मौर्या, गोविंदा मद्धेशिया, मनीष तिवारी, दीपक चौहान, विक्रांत खरवार के साथ हजारों श्रद्धालु महिलाए बच्चियों हाथो में कलश ले कर चल रही थी।

संक्षिप्त खबरें

15 सौ लोगों को किया गया कम्बल वितरण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। अमरावती ग्रुप द्वारा बुधवार को रतनपुर में अपने माता पिता के स्मृति में क्षेत्र के 15 सौ असहाय व बृद्धजनों को कम्बल वितरित किया गया। अमरावती ग्रुप के डायरेक्टर व समाजसेवी रजनीकांत मिश्र व रविप्रकाश पांडेय ने पूर्व एसपी रहे स्व0 अखिलानंद मिश्रा व माँ अमरावती देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। उसके बाद समाज के विभिन्न क्षेत्रो में कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। तत्पश्चात रतनपुर, धरसौना, बलोई, बरवा, सराय, देवराई समेत एक दर्जन से अधिक गावो के 1500 असहाय व बृद्ध महिला पुरुष को कम्बल वितरित किया गया। इस दौरान उन्होंने घोषणा कि माता पिता के स्मृति में प्रत्येक वर्ष कम्बल वितरण के साथ अब अन्य कार्यक्रम होंगे। अंत प्रसाद वितरण के तहत भंडारे का भी आयोजन किया गया। संचालन भाजपा मंडल अध्यक्ष मनीष पाठक ,स्वागत ग्राम प्रधान पप्पू मिश्रा व धन्यवाद नलनीकांत मिश्र ने ज्ञापित किया। इस दौरान जिला मंत्री डॉ जेपी दुबे, संजय चतुवेर्दी, अशोक मिश्रा, ग्राम प्रधान अनिल चौबे, नलनिकान्त, अमित, ईशान, आशीष, ओम व शिवम मिश्रा समेत अनेक गणमान्य लोग रहे।

पिंडरा स्थित लक्ष्मीनारायण मन्दिर में मुकुट की हुई चोरी

प्रखर पिंडरा वाराणसी। फूलपुर थाना क्षेत्र के पिंडरा बाजार में स्थित लक्ष्मीनारायण मन्दिर में बीती रात ताला तोड़कर चांदी का मुकुट समेत दान पात्र में रखे हजारों रुपये नगदी चोर चुरा ले गए। एसीपी, इंस्पेक्टर मौके पर पहुच जांच पड़ताल में जुट गए। बताते हैं कि मंगलवार को रात्रि डेढ़ बजे के लगभग मन्दिर का दरवाजा तोड़कर के मूर्ति पर लगे चांदी के मुकुट तथा दान पात्र में लगे 3 हजार रुपए से अधिक की धनराशि पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। मन्दिर से जुड़े रमेश जायसवाल व अनूप जायसवाल ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुचे इंस्पेक्टर संजय मिश्रा ने मन्दिर में लगे स्वर्ण व्यवसायी के सीसीटीवी फुटेज में एक चोर आते जाते दिखा। लेकिन चेहरा स्पष्ट न होने के कारण पहचान नही हो पाई। सूचना प्रभारी एसीपी पिंडरा ने खोजी कुतिया को मौके पर बुलाया। जो मन्दिर के पीछे फिर सड़क पर आकर रुक गई। पुलिस को कोई ठोस सुराग नही मिल पाया। जिससे व्यापारियों में आक्रोश दिखा। व्यापारियों का कहना था कि अब तक यह चोरी की तीसरी घटना है। वही इंस्पेक्टर संजय मिश्रा ने बताया कि चोरी का खुलासा जल्द होगा।

जिम्मेदारों के ना पहुंचने पर कट्या में चौथी बार कोटा चयन की प्रक्रिया रद्द

प्रखर गोरखपुर। क्षेत्र के कट्या (चेचुवापार) में रिक्त चल रहे कोटा चयन की प्रक्रिया तहसीलदार के नही आने पर बुधवार को चौथी बार रद्द कर दी गयी, इससे पहले तीन बार खुली बैठक में हँगामें के कारण चयन प्रक्रिया रद्द कर दी गयी थी। ग्रामीणों का आरोप है कि अधिकारी जानबूझकर कोटे के चयन नही कर रहे है। बुधवार को गांव के लोगों को उम्मीद थी कि इस बार कोटा चयन हो जाएगा, जिससे भारी संख्या में ग्रामीण खुली बैठक में बाग में मौजूद रहे। लेकिन पुनः ग्रामीणों को निराशा हाथ लगी। तहसीलदार राकेश कन्नौजिया से बात करने की कोशिश की गई तो उन्होंने फोन कट कर दिया। इसके बाद जिलाधिकारी गोरखपुर से फोन पर कोटे के सम्बंध में वार्ता की गई तो उन्होंने कहा कि कोटा चयन प्रक्रिया में रुचि नहीं लेने वाले जिम्मेदारों की जांच की जाएगी इसके लिये एसडीयम को निर्देशित किया गया है।

सिविल बार संघ ने 22 को राम लला प्राण प्रतिष्ठा के लिए अवकाश घोषित करने का पास किया प्रस्ताव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बुधवार को सिविल बार संघ गाजीपुर में एक बैठक दिनांक 22 जनवरी 2024 को राम लला के प्राण प्रतिष्ठा के बाबत सार्वजनिक अवकाश घोषित करने हेतु आये प्रस्ताव पर सिविल बार संघ-गाजीपुर में चर्चा की गयी जिसमें सर्वसम्मत से यह प्रस्ताव पास किया गया कि दिनांक 22 जनवरी 2024 को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा श्रीमान माननीय न्यायमूर्ति उच्च-न्यायालय प्रयागराज को प्रस्ताव भेजकर करने हेतु निवेदन किया जाए इस प्रकार यह प्रस्ताव पारित कर श्रीमान की सेवा में आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया जा रहा है। उक्त चर्चा में वरिष्ठ अधिवक्ता चन्द्रबली राय, सुरेश सिंह, रामाकान्त द्विवेदी, सत्येन्द्र श्रीवास्तव, राजेश सिंह, अशोक भारती, शशि ज्योति पाण्डेय, ओमप्रकाश गुप्ता आदि ने अपने विचार व्यक्त कियें । अध्यक्षता बार संघ के अध्यक्ष सुधाकर राय व संचालन बार संघ के महासचिव रतन जी श्रीवास्तव ने किया।

विद्युत विभाग ने चलाया चेकिंग अभियान 12 उपभोक्ताओं के कटे कनेक्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। एकमुश्त समाधान योजना को देखते टाउन एसडीओ सुधीर कुमार ने बीकापुर चौराहा से लेकर अंधऊ रोड तक चेकिंग अभियान चलाया जिसमे कुल 12 उपभोक्ताओं का बकाया पर लाइन पोल से खोली गई वही लगभग 32 लोगो का बकाया ओटीएस के तहत जमा कराया गया। टाउन एसडीओ सुधीर कुमार ने बताया कि 16 जनवरी तक ओटीएस की अंतिम तिथि है जिसमे जितने भी बकायेदार उपभोक्ता है वे लोग नजदीकी उपखंड कार्यालय में जाकर अपना अपना पंजीकरण ओटीएस के तहत करवा ले नही तो ओटीएस बित जाने के बाद सीधे विद्युत बकाया पर एफआईआर दर्ज कराकर राजस्व विभाग द्वारा बिल वसूल की जाएगी। वही विद्युत चोरी करने वाले उपभोक्ताओं को पकड़े जाने पर कठोरतम कार्यवाही की जाएगी।

प्रभावित गांव के किसानों ने किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले की बैठक

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा के रमईपुर मंडी के प्रांगण मे बुधवार को काशी द्वार के विरोध में बैठक हुई। जिसमें किसानों ने अपनी मांग दोहराते हुए कहाकि किसान किसी भी कीमत पर अपनी जमीन नही देंगे। आवास विकास परिषद के द्वारा नोटिस मिलने के बाद आयोजित बैठक में संयुक्त किसान मजदूर मोर्चा के पदाधिकारियों ने हुंकार भरी और प्रशासन को चेतावनी दी। किसानों ने कहाकि किसान अन्न दाता है लेकिन आज किसानों को उजाड़ कर उनकी उपजाऊ खेती को लेकर स्मार्ट सिटी बनाया जा रहा है। मोर्चा के अध्यक्ष फतेहनरायण सिंह, व सीपीआईएम के प्रदेश सचिव डॉ हीरालाल यादव व रामजी सिंह ने सरकार से किसान मजदूर विरोधी योजना को रद्द करने की मांग की। बैठक में 18 जनवरी को जिला मुखयालय पर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया । बैठक के दौरान राज्य स्तरीय कमेटी का गठन किया गया, और काशी द्वार योजना रद्द होने तक किसानों मजदूरों ने आंदोलन करने की चेतावनी दी। बैठक के दौरान सन्तोष पटेल, प्रेम कुमार नट, अखिलेश कुमार, श्यामलाल, बच्चन, रामजी सिंह, मेवालाल, जितेंद्र कुमार , लक्ष्मण व जोखू, जय संकर सिंह, नन्दलाल पटेल, नंदा राम शास्त्री, राजू राम, दुगार्नारायण, लक्ष्मण प्रसाद, श्यामधनी मास्टर, जवाहर लाल दुबे समेत अनेक किसान मजदूर रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा नरेंद्र मोदी के जुमलों का पराकाष्ठ : डॉ. जनक कुशवाहा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भदौरा ब्लाक के देवल ग्राम सभा में युवा कांग्रेस, पिछड़े वर्ग विभाग के पदाधिकारी एवं कार्यकताओं की बैठक संपन्न हुई। बैठक में पदाधिकारीओ का माला पहनकर स्वागत किया गया कार्यकताओं ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश को बर्बाद करने पर तुली हुई है। भाजपा की नीतियां किसान महिलाएं युवा अल्पसंख्यक दलित बैकवर्ड के विरुद्ध बनाई जा रही है भाजपा को देश की जनता से नहीं केवल पूंजी पतियों के हितों में काम करने का जज्बा जाग चुका है। कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉक्टर जनक कुशवाहा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जुमले पर टिकी हुई है और जुमले के द्वारा आमजन का बड़ा नुकसान करने पर आमाद है। विकसित भारत संकल्प यात्रा हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जुमले का पराकाष्ठा है इस यात्रा में सरकारी कर्मचारी और अधिकारियों का दुरुपयोग करते हुए देश की जनता की गाडी कमाई अपने सरकार के प्रचार में फुका जा रहा है। प्रदेश और देश में जंगल राज का बोलबाला है। परंतु

प्रदेश और देश की सरकार गूंगी और बहरी बनी हुई है कांग्रेस कार्यकर्ता इस अलोकतांत्रिक सरकार के खिलाफ कमर कस के तैयार हो जाएं और 2024 में सरकार बनाकर जनता को राहत देने का काम करे। युवा कांग्रेस के जमानियां विधानसभा के अध्यक्ष कुंदन खरवार के कहा कि युवाओं का आकर्षण कांग्रेस की तरफ तेजी से बढ़ रहा है और युवा इस आतातार्इ सरकार को बदलने में कामयाब होगी योगी की सरकार सबसे ज्यादा जुल्म युवाओं पर कर रही है। जिसका बदला 2024 में युवा योगी सरकार से लेने के लिए तैयार है। पिछड़ा वर्ग विभाग के प्रदेश सचिव श्याम नारायण कुशवाहा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पूरे देश का शोषण करने में लगी हुई है इसके राज्य में कानून व्यवस्था चरमरा गई है परंतु यह सरकार चुपचाप तमाशा देखने के लिए मजबूर है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनोद कुमार सिंह, राकेश कुमार सिंह, राजेंद्र कुशवाहा, संजीव शर्मा, विद्या शंकर, अरविंद कुमार मौर्य, मनोज प्रधान, सुमन कुशवाहा, तसउर अंसारी, मनोज राम, रविकांत मौर्य, राहुल राम, सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शशिभूषण राय ने किया।

सीएमओ द्वारा 3 बार आदेश के 27 दिन बाद भी अब तक डाक्टर की नहीं हुई तैनाती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जखनिया क्षेत्र शहीद वीर अब्दुल हमीद के नाम बना अस्पताल धामूपुर में स्थित वीर अब्दुल हमीद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर 6 माह से रिक्त चल रहे चिकित्सक के पद पर तैनाती के लिए 4 माह पूर्व आए आदेश के बाद भी अब तक चिकित्सक की तैनाती नहीं हो पाई । ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग पर आरोप लगाया कि विभाग जानबूझकर इस अस्पताल पर चिकित्सक की तैनाती नहीं कर रहा है। पूर्व में नियुक्त चिकित्सक डॉक्टर राकेश रोशन का शासन द्वारा स्थानांतरण मऊ जनपद में हो जाने के बाद 6 माह से चिकित्सा का पद रिक्त पड़ा था। जिसको लेकर धामूपुर के गांव के समाजसेवी अनिकेत चौहान ने पीएमओ को पत्र लिखकर परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक के तैनाती की मांग की गई थी । जिसका संज्ञान लेते हुए पीएमओ ने शीघ्र चिकित्सा तैनाती का निर्देश दिया था । इसके बाद जनपद के स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर की नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया गया । नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धर्मागतपुर से स्थानांतरित कर पीएचसी शहीद वीर अब्दुल हमीद नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धामूपुर डॉ अजय कुमार की तैनाती का

आदेश तो जारी कर दिया गया है। लेकिन 27 दिन आदेश के बाद भी तैनाती नहीं हुई ऐसा लग रहा कि स्वास्थ्य विभाग के आदेश का पालन नही हो रहा है। लेकिन स्वास्थ्य केन्द्र 6 माह बीत जाने के बाद भी अब तक अस्पताल पर चिकित्सक की नियुक्ति नहीं होने से ग्रामीण परेशान थे। ग्रामीणों ने कहा कि इस समय डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड बीमारी का प्रकोप काफी तेजी से चल रहा है। लेकिन क्षेत्र में क्षेत्र के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर चिकित्सक न होने से ग्रामीण इलाज के लिए परेशान। वही मजबूरी में प्राइवेट चिकित्सा के पास भी जाने को मजबूर हैं। जनपद मुख्यालय और ब्लॉक मुख्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है। समाजसेवी अनिकेत चौहान ने बताया कि तैनाती के लिए कई बार पत्र लिखा गया है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग द्वारा आदेश को अंगूठा दिखाया जा रहा है । 6 माह में यह तीसरी बार नए डॉक्टर की तैनाती कर दी गई है। अब तक किसी डॉक्टर ने चार्ज नहीं लिया है। समाजसेवी अनिकेत चौहान लगातार पीएमओ से लेकर मुख्यमंत्री तक शिकायत करने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी के कान में जूं रेगी तब जाकर नए डॉक्टर की तैनाती तो सिर्फ. कागज में कर दिया जा रहा है। लेकिन अब किसी डॉक्टर का ग्रामीणों को दर्शन नही हुआ। मरीजों की दुर्दशा जारी है।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में आये हुये फरियादियों की सुनी जन समस्याएं निस्तारण के दिये निर्देश

प्रखर मीरजापुर। शासन के मंशानुरूप जन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट में जनता दर्शन कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने एक-एक फरियादियों के पास जाकर उनकी समस्याओं को सुना तथा त्वरित व गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होने कहा कि प्रार्थना पत्रो का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टिपरक हो ताकि फरियादियों को बार-बार जिला मुख्यालय के चक्कर न लगाना पड़ें। जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत जिलाधिकारी द्वारा लगभग 38 आये हुये फरियादियो की समस्याओं को सुना गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 शिव प्रताप शुक्ल, नगर मजिस्ट्रेट विनय कुमार सिंह, डिप्टी कलेक्टर सिद्धार्थ यादव, डिप्टी कलेक्टर चन्द्र प्रकाश गौतम उपस्थित रहें।

पुलिस की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप 05 अभियुक्तो को मा0 न्यायालय द्वारा मिली सजा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दिनांक 10 जनवरी 2024 को मॉनिटरिंग सेल व अभियोजन के प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप थाना जमानियाँ पर पंजीकृत धारा 323, 325, 504, 506 भादवि 3(1) एससी/एसटी एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में 02 अभियुक्तगण तनवीर खाँ पुत्र सगीर खाँ व ईशाँ खाँ पुत्र वहीद खाँ नि0गण सरूझा थाना जमानियाँ जनपद गाजीपुर के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप अभियुक्तगण उपरोक्त को धारा 323/34, 504 भादवि में 01-01 वर्ष का साधारण कारावास व 1000-1000 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित व धारा 506 भादवि में 02 वर्ष का साधारण कारावास व 2000 रुपये अर्थदण्ड व धारा 325 भादवि में 03 वर्ष का साधारण कारावास तथा 5000 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित व 3(1) एस सी/एस टी एक्ट में 03 वर्ष का साधारण कारावास व 3000 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित, अर्थदण्ड अदा न करने पर 03 माह का अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया गया।

इसी प्रकार थाना जमानियाँ में ही पंजीकृत धारा 323, 504, 506 भादवि व 3(1) एस सी/एस टी एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में 02 नफर अभियुक्तगण दिनेश शर्मा पुत्र शिवशरन शर्मा व शफीक खाँ पुत्र हकीक खाँ निवासी गण सरुझा थाना जमानियां जनपद गाजीपुर के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप अभियुक्तगण उपरोक्त को धारा 323/34, 504 भादवि में 01-01 वर्ष का साधारण कारावास व 1000-1000 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित व धारा 506 भादवि में 02 वर्ष का साधारण कारावास व 2000 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित व धारा 3(1) एस सी/एस टी एक्ट में 03 वर्ष का साधारण कारावास व 3000 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित, अर्थदण्ड अदा न करने पर 03 माह का अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया गया। जबकि जमानियाँ थाने पर पंजीकृत 363, 366, 120(ब) भादवि व ७ पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित प्रकरण में 01 नफर अभियुक्त फिरोज पुत्र नसीम निवासी उमरगंज थाना जमानियाँ जनपद गाजीपुर के विरुद्ध लगातार किये गये प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप अभियुक्त उपरोक्त को धारा 363, 120बी भादवि में 04 वर्ष का कारावास व 15000 रुपये का अर्थदण्ड, अर्थदण्ड अदा न करने पर 03 माह का अतिरिक्त कारावास से दण्डित किया गया।

सपा कार्यालय पर मना प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिन

प्रखर मिजार्पुर। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के निदेर्शानुसार प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल जी का 68वां जन्मदिन पार्टी कार्यालय लोहियाट्रस्ट पर केक काटकर मनाया गया और पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने उनके दीघार्यु होने की कामना की। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनकर ने कहा नरेश उत्तम पटेल का जन्म 10 जनवरी 1956 को फतेहपुर के जहानाबाद के लहुरी सराय में उनका जन्म

हुआ था। वे वर्तमान में विधान परिषद सदस्य है। वह पहली बार 1989 में विधायक बने और समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक है। वे 1989 से 1991 तक पहली मुलायम सरकार में मंत्री और यूपी विधानसभा के तीन बार सदस्य भी रहे। 2017 में उनको पार्टी के प्रति समर्पित निष्ठा को देखते हुए उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौपी गई। 2022 में भी दुबारा अखिलेश यादव ने प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौपी। उन्होने नरेश उत्तम पटेल के जन्मदिन पर दीघार्यु की कामना की। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी की नगर की बैठक नगर अध्यक्ष ओमप्रकाश सोनकर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस मौके पर पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया साथ ही 2024 लोकसभा चुनाव जीतने के लिए कार्यकताओं से कहा गया कि जन-जन के बीच जाकर समाजवादी पार्टी के उपलब्धियो को बताने का काम करें। इस अवसर पर मुन्नी यादव, राजेश भारती, रामगोपाल बिन्द, चन्दन यादव, श्याममबाबू सोनकर, रवि सोनकर, जमाल अहमद, मेवालाल प्रजापति, प्रेमकुमार यादव, छविनाथ विश्वकर्मा, रंजीत फौजी, अभय, शिवकुमार यादव, विष्णु पटेल, नीलरतन, रामजी बिन्द, मनोज गुप्ता, अविनाश कौशल, दीनानाथ प्रजापति, राहुल राव, शेखू, चन्द्रशेखर यादव, मुन्ना मंसूरी, इन्द्रजीत यादव आदि मौजूद रहें।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन कर दी गई योजनाओं की जानकारी

प्रखर मिजार्पुर। हमारा "संकल्प विकसित भारत" विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान ग्राम-अतरौली खुर्द मंडल सक्तेशगढ़-मड़िहान मे कार्यक्रम किया गया। जिसमे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख राजगढ़ गजेंद्र प्रताप सिंह जी ने माननीय मोदी जी और माननीय योगी जी की समस्त योजनाओं के बारे मे विस्तृत रूप से चर्चा की। मोदी सरकार की गारंटी वाला रथ के माध्यम से सरकार की विभिन्न विकासपरक योजनाओं का प्रचार- प्रसार किया गया। विकासखंड राजगढ़ कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारीयों द्वारा कैंप लगाकर किसान सम्मान निधि,वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन,उज्ज्वला योजना,गरीबों का राशन सहित योजना तमाम योजनाओं का लाभार्थियों का फॉर्म भरवाकर लाभान्वित किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा फाइलेरिया के मरीजों को जरूरी सामान प्रदान किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल सक्तेशगढ़ के मंडल अध्यक्ष राजबहादुर सिंह पटेल जी मंडल मंत्री अशोक पटेल जी एवं राजेंद्र सिंह पटेल जी प्रतिनिधि सांसद अरुणेश सिंह पटेल जी,इंद्रजीत सिंह पटेल,ग्राम प्रधान संतोष सिंह पटेल जी सहायक विकास अधिकारी कृषि श्री संतोष कुशवाहा जी नोडल अधिकारी, जेई एमाई, एवं बीओ एवं ग्राम प्रधान एवं सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

प्रभु श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण पद्मश्री डॉक्टर के के त्रिपाठी को मिला

प्रखर वाराणसी। प्रभु श्री राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण पद्मश्री डॉक्टर के के त्रिपाठी को विश्व हिंदू परिषद काशी प्रांत धमार्चार्य सह प्रमुख शशिभूषण त्रिपाठी व विश्व हिंदू परिषद महानगर उपाध्यक्ष उमेश चंद्र मिश्रा के हाथों दिया गया । डॉक्टर त्रिपाठी ने कहा कि राम का नाम में वह शक्ति है कि यदि हम सिर्फ राम शब्द की उच्चारण कर ले तो हमारी मुक्ति हो जाता है पूरा राम की आवश्यकता नहीं होता है।

संक्षिप्त खबरें

इराक : अस्पताल में आग से 4 बच्चों की मौत

बगदाद। दक्षिणी इराकी शहर दिवानियाह में महिला एवं बच्चों के एक अस्पताल में आग लगने से चार बच्चों की मौत हो गई और 20 से अधिक अन्य दम घुटने से घायल हो गए। आंतरिक मंत्रालय के एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर 'शिन्हुआ' बताया कि बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण सोमवार शाम को आग लग गई और धुआं अस्पताल के गलियारों में फैल गया। उन्होंने बताया कि 150 लोगों को अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया है। सूत्र ने बताया कि कई घंटों के बाद इराकी नागरिक सुरक्षा दल आग पर काबू पाने में कामयाब रहे।

ईरान संकट से निपटने की अमेरिका की अपील

तेहरान। अमेरिका ने ईरान से सैन्य अभियानों का विस्तार नहीं करने और क्षेत्र में व्याप्त संकट का समाधान करने का आह्वान किया है। सीरिया में ईरान के राजदूत हुसैन अकबरी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने अरब देशों के एक प्रतिनिधिमंडल के जरिए ईरान को इस संबंध में यह संदेश भेजा है। अकबरी ने लेबनानी समाचार पोर्टल अल-अहेद के साथ साक्षात्कार में कहा कि लगभग दस दिन पहले हमें यह संदेश मिला जिसमें अमेरिका ने पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में संकट के समाधान का आह्वान किया। ईरान ने संदेश के जवाब में कहा है कि उसके सहयोगियों को अपने भाग्य, अपने लोगों की स्वतंतत्र और उनकी राजनीतिक स्वतंता का निर्धारण करने का अधिकार है।

चीन के उपग्रह प्रक्षेपण के बाद ताइवान की चेतावनी

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को अलर्ट जारी करते हुए कहा कि चीन ने एक उपग्रह का प्रक्षेपण किया है। इसके साथ ही देश में होने वाले चुनाव से पहले सतर्कता बरतने को कहा है। ताइवान में शनिवार को राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव होने हैं, जिसे चीन ने युद्ध और शांति के बीच में एक विकल्प करार दिया है। लोगों के मोबाइल फोन पर अंग्रेजी भाषा में भेज गये अलर्ट में उन्हें मिसाइल को लेकर आगाह किया गया।

फिलीपींस में भूकंप के तेज झटके

मनीला। फिलीपींस में दावाओ ऑक्सिडेंटल प्रांत में मंगलवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किये गये। फिलीपींस इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के अनुसार स्थानीय समयानुसार सुबह 4:48 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.1 मापी गयी। भूकंप का केंद्र सारंगानी नगर पालिका में सारंगानी द्वीप से लगभग 119 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में पृथ्वी की सतह से 76 किलोमीटर की गहराई पर रहा। भूकंप से अभी तक किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

केन्या : सड़क दुर्घटना में 15 की मौत

नाकुरु। केन्या में एक सड़क दुर्घटना में करीब 15 लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। कुरेसोई नॉर्थ सब-काउंटी पुलिस कमांडर यहूदा गैथेंगे ने मंगलवार को घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घटना स्थानीय समयानुसार मध्यरात्रि के बाद 2:45 बजे एल्डोरेट-नाकुरु राजमार्ग पर हुई, जिसमें एक यात्री बस और एक शटल बस शामिल थी। गैथेंगे ने कहा, हमने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने की टक्कर हुई।

सिंगापुर : धोखाधड़ी में भारतवंशी को जेल

सिंगापुर। सिंगापुर में 42 वर्षीय भारतीय मूल के एक व्यक्ति को शहर के अस्पतालों और पॉलीक्लिनिकों में चिकित्सा उपचार प्राप्त करने के लिए कई बार रूप धारण करने के आरोप में छह सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई है। द स्ट्रेट्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, लोगेश्वरन मोहनदास ने सोमवार को छह आरोपों में दोषी ठहराया गया, इनमें से पांच धोखाधड़ी के आरोप शामिल हैं। खुद के रूप में पंजीकरण कराने के बजाय, मोहनदास ने अपने भाई और परिचित होने का नाटक किया, इससे उनके मेडिकल बिलों के लिए 17 बार शुल्क लिया गया।

अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले अमेरिका में रैली

■ ह्यूस्टन (भाषा)।

इस माह के अंत में अयोध्या में आयोजित होने वाले राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले हिंदू अमेरिकी समुदाय के सदस्यों ने रविवार को ह्यूस्टन में एक विशाल कार रैली निकाली। यह रैली भजन और 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए रास्ते में 11 मंदिरों में भी रुकी।

विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका (वीएचपीए) ने मंदिर के पदाधिकारियों को 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक निमंत्रण भी दिया। भारत और अमेरिका के झंडे और राम मंदिर की छवि वाले भगवा बैनर लिये 500 से अधिक लोगों ने 216 कारों की लगभग पांच किलोमीटर लंबी कतार के साथ रैली निकाली। इस दौरान अपनी मोटरसाइकिल पर आठ पुलिसकर्मी भी रैली के साथ-साथ मौजूद रहे। ह्यूस्टन के समाज सेवी जुगल मालानी ने श्री मीनाक्षी मंदिर से रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और दोपहर बाद रिचमंड के श्री शरद अंबा मंदिर पहुंचने के बाद इसका समापन हुआ। ह्यूस्टन के व्यस्त मार्गों से होते हुये रैली ने लगभग 160 किलोमीटर की दूरी तय की और छह घंटे की रैली के दौरान करीब 11 मंदिरों पर भी रुकी।

■ यह रैली भजन और 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए 11 मंदिरों में भी रुकी

मंदिरों में लगभग दो हजार श्रद्धालु इक्ट्ठा हुये, जिनमें युवा और बुजुर्ग दोनों शामिल रहे। इस दौरान कई श्रद्धालुओं की आंखें नम दिखीं। मंदिरों में भजनों के साथ जुलूस का स्वागत किया गया। वीएचपीए ने कहा, विभिन्न मंदिरों में इक्ट्ठा हुए 2,500 से अधिक श्रद्धालुओं द्वारा कार रैली प्रतिभागियों के प्रति दिखाई गई भक्ति और प्रेम अभिभूत करने वाला था। भगवान श्री राम ह्यूस्टन वासियों के हृदय में निवास करते हैं।

सऊदी क्राउन प्रिंस से मिले ब्लिंकन

■ वाशिंगटन (वार्ता)।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की और गाजा में मानवीय संकट और लाल सागर में जहाजों पर हाउती हमलों पर चर्चा की। विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने यह जानकारी दी।

मिलर ने कहा, विदेश मंत्री एंटनी जे. ब्लिंकन ने आज अल उला में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने गाजा में मानवीय स्थिति को तत्काल हल निकालने और संघर्ष को और फैलने से रोकने की आवश्यकता पर जोर दिया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि ब्लिंकन और बिन सलमान ने लाल सागर में वाणिज्यिक जहाजों पर हाउती हमलों को रोकने सहित क्षेीय तनाव को कम करने के लिए चल रहे प्रयासों पर भी चर्चा की। अमेरिकी राजनयिक ने फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना सहित अधिक सुरक्षित और एकीकृत मध्य पूर्वी क्षेत्र के निर्माण के महत्व पर जोर दिया। यह बैठक गाजा में युद्ध को रोकने के प्रयास के लिए अपने मध्य पूर्व दौरे के हिस्से के रूप में ब्लिंकन की इज़रायल यात्रा से पहले हुई है।

स्मृति ईरानी ने हज एवं उमरा सम्मेलन में हिस्सा लिया

■ जेद्दा (भाषा)।

■ भारतीय हज यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने पर की चर्चा

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री स्मृति ईरानी ने मंगलवार को यहां तीसरे हज एवं उमरा सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लिया। ईरानी ने सऊदी अरब के हज एवं उमरा मामलों के मंत्री तौफीक बिन फौजान अल राबिया के साथ भारतीय हज यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर सहयोग के लिए संभावनाओं पर चर्चा की। ईरानी के साथ विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन भी थे।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सत्र के दौरान विचारों और सूचनाओं का आदान-प्रदान भारतीय हज यात्रियों के लिए इस यात्रा के अनुभव को बेहतर बनाने में उपयोगी साबित होगा। बयान में कहा गया, हज, 2024 के दौरान भारतीय हज यात्रियों के लिए सुविधाओं और सेवाओं में सुधार और करीबी सहयोग की गुंजाइश पर मक्का क्षेत्र के डिप्टी गवर्नर और हज एवं उमरा मंत्री के साथ भी चर्चा हुई।

ईरानी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सऊदी के हज एवं उमरा मामलों के मंत्रालय के विनम्र निमंत्रण के लिए आभारी हूं, जो हमारे साझा मूल्यों के महत्व को रेखांकित करता है। प्रिंस सऊद बिन मिशाल बिन अब्दुलअजीज अल सऊद और हज एवं उमराह मंत्री तौफीक बिन फौजान अल राबिया के साथ एक अच्छी बैठक हुई। हज, 2024 के दौरान भारतीय हज यात्रियों के लिए सुविधाएं बढाने पर चर्चा की गई। भारत और सऊदी अरब ने रविवार को एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत नई दिल्ली को 2024 की वार्षिक हज यात्रा के लिए 1,75,025 तीर्थयात्रियों का कोटा आवंटित किया गया है।

बांग्लादेश में नव निर्वाचित सांसद आज लेंगे शपथ

■ ढाका (भाषा)।

बांग्लादेश में रविवार को हुए आम चुनाव में जीत हासिल करने वाले नव निर्वाचित सांसद 10 जनवरी को पद की शपथ लेंगे। मीडिया में आई खबरों में मंगलवार को यह जानकारी दी गई।

देश के 12वें संसदीय चुनावों में अपनी पार्टी आवामी लीग की शानदार जीत के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आज राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ढाका के धनमंडी में बंगबंधु मेमोरियल संग्रहालय के अंदर बंगबंधु के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके श्रद्धांजलि अर्पित की। संसद सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि नए सांसदों का शपथ ग्रहण समारोह 10 जनवरी को सुबह 10 बजे जातीय संसद भवन के शपथ ग्रहण कक्ष में होगा। 'ढाका ट्रिब्यून' ने मंगलवार को अवामी लीग पार्टी के कार्यालय सचिव बिप्लब बरुआ के हवाले से कहा कि संसद सचिवालय बुधवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी कर रहा है। स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी शपथ दिलाएंगी। मुख्य सचेतक नूर-ए-आलम चौधरी ने कहा कि निर्वाचन आयोग मंगलवार को चुनाव के नतीजों को राजपत्र के रूप में प्रकाशित करेगा। सदस्यों से अपेक्षा की जाती है कि वे राजपत्र अधिसूचना प्रकाशन के तीन दिनों के भीतर शपथ लेंगे।

■ स्पीकर शिरीन शर्मिन चौधरी दिलाएंगी शपथ

आवामी लीग की 76 वर्षीय अध्यक्ष व प्रधानमंत्री शेख हसीना 2009 से देश पर शासन कर रही हैं। रविवार को एकतरफा चुनाव में कुल मिलाकर उन्होंने पांचवीं बार जीत हासिल की। कुल 299 सीटों पर हुए चुनाव में 298 सीटों के परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। सत्तारूढ अवामी लीग ने 222 सीटें जीतीं; जातीय पार्टी को 11 सीटें; वर्कर्स पार्टी, जातीय समाजतांत्रिक दल और बांग्लादेश कल्याण पार्टी को एक-एक सीट तथा निर्दलीय उम्मीदवारों ने 61 सीटें जीतीं। हसीना ने चुनाव में गोपालगंज-3 सीट से भारी जीत हासिल की और सांसद के रूप में यह उनका आठवां कार्यकाल होगा। सीना ने यहां बंगबंधु स्मृति संग्रहालय में उनको श्रद्धांजलि देने के बाद कुछ मिनटों का मौन रखा। मुजीबुर रहमान की छोटी बेटी और प्रधानमंत्री की छोटी बहन शेख रेहाना ने भी बाद में अलग से चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रधानमंत्री की बेटी साइमा वाजेद और शेख रेहाना के बेटे रदवान मुजीब सिद्दीकी भी मौजूद थे।

कनाडा : गुरुद्वारे के बाहर प्रदर्शन में हिंसा

■ ओटावा (भाषा)।

कनाडा में अल्बर्टा प्रांत के पूर्वोत्तर कैलगरी जिले में एक गुरुद्वारे के सामने विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में कम से कम दो व्यक्ति घायल हो गए।

कैलगरी पुलिस ने कहा कि अधिकारियों को रविवार को शाम सात बजकर 45 मिनट पर गुरुद्वारा साहिब बुलेवार्ड में हुई इस घटना के बारे में सूचना मिली। गुरुद्वारे के बाहर हुई मारपीट में करीब 50 से 100 लोग शामिल थे। अधिकारियों ने कहा कि दिन की शुरुआत में दशमेश संस्कृति केंद्र में हुई इस घटना के बारे में दो बार शिकायत मिली थीं। दोनों शिकायतों में प्रदर्शनकारियों और इमारत के रहने वालों के बीच अलग-अलग झड़प की जानकारी दी गयी थी। कैलगरी पुलिस सेवा विभाग ने एक बयान में कहा, 'अपराह्न लगभग 1:15 बजे अधिकारियों को शुरू में जानकारी मिली थी कि गुरुद्वारे के बाहर विरोध कर रहे लोगों के कारण गड़बड़ी हुई थी। इसके कुछ ही देर बाद, दूसरी कॉल आई जिसमें बताया गया कि प्रदर्शनकारी इमारत के अंदर चले गए हैं। अधिकारियों ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दोनों पक्षों से बातचीत की।

■ मारपीट में दो लोग हुए घायल

पुलिस ने कहा कि ऐसा माना जाता है कि इस हिंसा में किसी हथियार का इस्तेमाल नहीं हुआ था और कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। कैलगरी पुलिस ने अब तक इस बारे में कोई विवरण जारी नहीं किया है कि हमला किस कारण से हुआ या क्या किसी पर आरोप लगाया गया है। विरोध प्रदर्शन के आयोजकों में से एक गुरप्रताप बैदवान ने कहा कि गुरुद्वारा मण्डली के कुछ लोग उसकी निर्वाचित नेतृत्व समिति के विरोध में एकत्र हुए थे। बैदवान ने कहा कि नेतृत्व अपने विश्वास के नियमों का पालन नहीं कर रहा है अथवा सिख धर्म के शासन का पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, उन्हें अकाल तख्त द्वारा जारी सिख राहत मर्यादा का पालन करना आवश्यक है, जो कि हमारे लिए वेटिकन की तरह है।

'मैं बिल्कुल ठीक हूं' : रामफोसा

जोहान्सबर्ग (भाषा)। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराए जाने संबंधित सोशल मीडिया पर प्रसारित खबरों का खंडन किया और कहा कि वह 'बिल्कुल ठीक' हैं।

रामफोसा ने कहा कि उनके आईसीयू में भर्ती होने की खबरें 'बढ़ा-चढ़ा कर' प्रसारित की गई थीं और वह अधिकारियों की सलाह पर रविवार को घर से काम कर रहे थे। अधिकारियों ने उन्हें व्यस्त सप्ताह को लेकर घर पर सुरक्षित वातावरण में रहने की सलाह दी थी। रामफोसा ने सोमवार को रंगभेद विरोधी आंदोलन में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अफ्रीकी राष्ट्रीय कांग्रेस (एएनसी) के सदस्यों को सम्मानित करने के लिए लिम्पोपो प्रांत में एक पुष्पांजलि समारोह में यह टिप्पणी की। राष्ट्रपति का स्पष्टीकरण रविवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित उन खबरों के बाद आया जिसमें दावा किया गया था कि उन्हें प्रिटोरिया के 1-सैन्य अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर विपक्षी पार्टी इकोनॉमिक फ्रीडम फाइटर्स के नेता जूलियस मैलेमा के एक फर्जी खाते से दावा किया गया कि रविवार को अस्पताल में भर्ती होने से पहले रामफोसा दिल का दौरा पड़ने के बाद गिर गए थे। लिम्पोपो के कार्यक्रम में रामफोसा ने कहा कि उनका स्वास्थ्य बेहतर है। उन्होंने कहा, मेरी बीमारी और मेरे आईसीयू में होने की खबर बेहद बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई है।

■ खराब स्वास्थ्य की अफवाहों के बाद दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति ने कहा

उन्होंने कहा कि, मैं बिल्कुल ठीक हूं और यह सुनिश्चित करने के लिए संघर्ष जारी रखूंगा कि वास्तव में हमारे लोगों को समृद्ध और खुशहाल जीवन मिले। उन्होंने कहा, मैंने बैठकें कीं और फिर मैंने अधिकारियों के निर्देशों पर (रविवार को) घर पर काम करना जारी रखा। अधिकारियों ने कहा हम चाहते हैं कि आप सुरक्षित रहें क्योंकि राष्ट्रपति के रूप में अगले छह दिन आपके लिए काफी व्यस्तता से भरे रहने वाले हैं।

ब्रिटेन पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ

■ लंदन (भाषा)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को मध्य लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर स्थित महात्मा गांधी स्मारक के दौरे के साथ अपनी ब्रिटेन यात्रा की शुरुआत की।

सिंह 22 साल में ब्रिटेन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय रक्षा मंत्री हैं। इससे पहले भारत की ओर से रक्षा मंत्री की ब्रिटेन यात्रा जनवरी 2002 में हुई थी। ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी और उनके प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ सिंह ने 20वीं सदी के स्मारक पर राष्ट्रपिता को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद सिंह ब्रिटेन के अपने समकक्ष ग्रांट शाप्स के साथ द्विपक्षीय बैठक से पहले 'हॉर्स गाड्र्स' परेड में औपचारिक 'गार्ड ऑफ ऑनर' का निरीक्षण करने के लिए व्हाइटहॉल पहुंचे। दोनों नेताओं के रक्षा, सुरक्षा और औद्योगिक सहयोग के व्यापक मुद्दों पर चर्चा करने की उम्मीद है। सिंह लंदन में नेसडेन मंदिर के नाम से जाने जाने वाले बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर में पूजा-अर्चना करने से पहले दलित अधिकार कार्यकर्ता और भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बी आर अंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए उत्तरी लंदन में अंबेडकर संग्रहालय जाएंगे। सिंह, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन सेवा मुख्यालय, रक्षा विभाग और रक्षा उत्पादन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के रक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल के साथ तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार रात लंदन पहुंचे। शाप्स के साथ बातचीत के अलावा, उनके ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से मुलाकात करने और विदेश मंत्री डेविड कैमरन के साथ बैठक करने की उम्मीद है।

लंदनः रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लंदन के टैविस्टॉक में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

■ लंदन के टैविस्टॉक स्क्वायर स्थित महात्मा गांधी स्मारक का दौरा किया

कश्मीर में शीतलहर जारी

■ श्रीनगर (भाषा)।

कश्मीर में हाड़ कंपा देने वाली ठंड से कुछ राहत मिलने के बावजूद शीतलहर की स्थिति जारी है। घाटी में अभी भी तापमान जमाव बिंदु से नीचे बना हुआ है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्रीनगर में सोमवार रात न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 2.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि पिछली रात यह शून्य से नीचे 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे था।

काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 2.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो रविवार को शून्य से नीचे 4.2 डिग्री सेल्सियस था। वहीं, उत्तरी कश्मीर के गुलमर्ग के स्की रिसॉर्ट में सोमवार को न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो बीती रात के तापमान से कुछ कम है। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 4.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पिछली रात यह शून्य से नीचे 5.3 डिग्री सेल्सियस से अधिक था।

■ कोकेरनाग शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.2 डिग्री और कुपवाड़ा में शून्य से नीचे 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

कोकेरनाग शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.2 डिग्री और कुपवाड़ा में शून्य से नीचे 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कश्मीर वर्तमान में 'चिल्लई-कलां' की चपेट में है। यह 40 दिनों की भीषण सर्दी की अवधि है। इस दौरान क्षेत्र में शीत लहर चलती है और तापमान बेहद नीचे चला जाता है जिससे प्रख्यात डल झील सहित जल निकाय जम जाते हैं। घाटी के कई हिस्से इस स्थिति का सामना करते हैं। इस अवधि के दौरान बर्फबारी की आशंका सबसे अधिक होती है और ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी भी होती है। चिल्लाई-कलां 31 जनवरी को खत्म होगा। इसके बाद कश्मीर में 20 दिनों का 'चिल्लई-खुर्द' (छोटी ठंड) और 10 दिनों का 'चिल्लई-बच्चा' (हल्की ठंड) का दौर रहता है।

चार और इस्राइली सैनिकों की मौत

तेल अवीव (आईएएनएस)। इस्राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने मंगलवार को गाजा में हमास के खिलाफ युद्ध में चार और सैनिकों की मौत की घोषणा की। इसी के साथ युद्ध में मरने वाले सैनिकों की संख्या 180 हो गई।

आईडीएफ ने कहा कि योहोशुआ, डेविड श्वाट्र्ज और याकिर हेक्सटर दक्षिणी गाजा में लड़ाई के दौरान मारे गए थे, जबकि, गब्रियल ब्लूम मध्य गाजा में मारे गए। सेना ने आगे कहा कि लड़ाई में जिसमें श्वाट्र्ज और हेक्सटर को मार दिया गया था, वह कॉम्बैट इंजीनियरिंग कॉर्प की 8219 वीं बटालियन से थे। इसी बटालियन का एक और सैनिक गंभीर रूप से घायल हो गया था। एक अधिकारी और 36वें डिवीजन के दो अन्य रिजर्व लड़ाकू इंजीनियर भी लड़ाई में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके अतिरिक्त, मध्य गाजा में 646वें रिजर्व पैराट्रूपर्स ब्रिगेड के दो अधिकारी भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

इस्राइली अभिनेता इदान अमेदी घायल

■ यरुशलम (भाषा)।

इस्राइल के अभिनेता और गायक इदान अमेदी गाजा पट्टी के खान यूनिस में इस्राइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के 'रिजर्व' सैनिक के रूप में लड़ते समय गंभीर रूप से घायल हो गए। अमेदी को ओटीटी मंच नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'फौदा' में अभिनय के लिए जाना जाता है।

इस्राइली राजनयिक एविया लेवी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में अमेदी के घायल होने की सूचना दी। उन्होंने लिखा, 'फौदा' के अभिनेताओं में से एक, इदान अमेदी गाजा में लड़ते समय गंभीर रूप से घायल हो गए। हम आपके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रार्थना करते हैं। समाचार पत्र टाइम्स ऑफ इस्राइल के अनुसार, 35 वर्षीय अमेदी आईडीएफ के लिए 'रिजर्व' सैनिक के रूप में जंग में लड़ रहे थे। उन्हें सोमवार को हवाई मार्ग से अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज किया गया। इस्राइली समाचार संस्थान को उनके पिता ने बताया कि उनका बेटा अब खतरे से बाहर है।

■ वेब सीरीज 'फौदा' में किया अभिनय

अमेदी ने घायल होने से कुछ घंटे पहले एक इस्राइली चैनल के साक्षात्कार में कहा था, थोड़ा थका हुआ हूं लेकिन ठीक हूं। अभिनेता ने अपने वर्तमान मिशन के बारे में पूछे जाने पर कहा, उन्होंने जो कुछ बनाया है वह पागलपन है। यह अभियान मुख्य रूप से मध्य (हमास सुरंग) मार्ग पर है। हमें यहां कई किलोमीटर लंबी सुरंगें, हथियार और खास-तरह के हथियार भी मिले हैं। हम पिछले दो दिनों से इसे नष्ट करने की कोशिश में व्यस्त हैं।

इस्राइली हमले में हिजबुल्लाह के तीन सदस्यों की मौत

बेरूत (वार्ता)। लेबनान के दक्षिण में बिंट जेबिल जिले में स्थित लेबनानी नगर पालिका घंडौरीयेह में एक कार को निशाना बनाकर किए गए इस्राइली हमले में हिजबुल्लाह के तीन सदस्य मारे गए। स्थानीय टीवी चैनल एलबीसीआई ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हिजबुल्लाह ने हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है। सुरक्षा सूत्र ने सोमवार को कहा कि इस्राइल ने लेबनान के हिजबुल्लाह आंदोलन के एक शीर्ष कमांडर को मार डाला जब अमेरिका के शीर्ष राजनयिक गाजा संघर्ष को बढ़ने से रोकने के लिए पश्चिम एशिया का दौरा कर रहे थे। सोमवार को लेबनानी समूह ने पहली बार अपने 'कमांडर' की हत्या की घोषणा की और उसका नाम विसाम हसन ताविल बताया। लेबनान में एक सुरक्षा अधिकारी ने सुरक्षा कारणों से नाम न छापने का अनुरोध करते हुए कहा कि ताविल की 'दक्षिण में हिजबुल्लाह के संचालन के प्रबंधन में अग्रणी भूमिका थी'।

न्यूयॉर्क : 320 फिलिस्तीनी समर्थक गिरफ्तार

न्यूयॉर्क (आईएएनएस)। न्यूयॉर्क शहर में प्रदर्शन करने और दो घंटे से अधिक समय तक कई पुलों पर यातायात अवरुद्ध करने के बाद कम से कम 320 फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार एक हजार से ज्यादा प्रदर्शनकारियों ने ब्रुकलिन ब्रिज, मैनहट्टन ब्रिज, विलियम्सबर्ग ब्रिज और मोंडाउ पर हॉलैंड टनल पर डाउनटाउन मैनहट्टन से जाने वाले यातायात को रोक दिया। प्रदर्शनकारियों ने फिलिस्तीनी झंडा लहराया और नारे लगाए 'फिलिस्तीन को आज़ाद करो'। उनके पास बैनर और साइन भी थे जिन पर लिखा था, 'अभी युद्धविराम करो' और अमेरिका इस्राइल को हथियार देना बंद करो। एक बयान में फिलिस्तीनी युवा आंदोलन, जिसने सोमवार के प्रदर्शन का नेतृत्व किया, ने कहा कि प्रदर्शनकारी पांच प्रमुख मांगों स्थायी युद्धविराम, अमेरिकी सरकार द्वारा इस्राइली शासन को हथियार देना बंद करना, गाजा की घेराबंदी बंद करना, ज़ायोनी कब्जे को खत्म करना और सभी फिलिस्तीनी राजनीतिक कैदियों की रिहाई की मांग कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन के कारण पूरे निचले मैनहट्टन में बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम हो गया, जिसमें सोहो, ट्रिबेका और हडसन स्क्वायर के साथ-साथ न्यू जर्सी का निकास भी शामिल है। आयोजक ने दावा किया कि पुलों पर नाकाबंदी के कारण पूरे वित्तीय जिले और लोअर ईस्ट साइड में गतिरोध पैदा हो गया। सीएनएन ने न्यूयॉर्क सिटी पुलिस विभाग के हवाले से बताया कि पुलों और सुरंगों पर सभी लेन सुबह 11.15 बजे फिर से खोल दी गईं।

आने वाले दस सालों में भारत को 6.4 करोड़ नए घरों की होगी जरूरत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

साल 2023 में भारत ने चीन को पीछे छोड़ते हुए दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश का तमगा हासिल कर लिया था। इतनी बड़ी आबादी देश के लिए न सिर्फ एक बड़ी चुनौती है बल्कि यह हमारे लिए बड़ी ताकत भी है। भारत की कुल आबादी जनवरी, 2024 में 142 करोड़ के पार निकल गई है। इतनी बड़ी आबादी के लिए हमें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मुलभूत चीजों को जुटाने में बड़ी मशक्कत करनी होगी। एक अनुमान के अनुसार देश में मकानों की मांग ज्यादा है और आपूर्ति कम बनी हुई है। एक अनुमान के मुताबिक, आने वाले 10 सालों में देश को लगभग 6.4 करोड़ अतिरिक्त घर बनाने पड़ेंगे।

2018 तक भारत में लगभग 2.9 करोड़ मकानों की कमी थी

क्रेडाई और लाइसिस फोरास द्वारा मकानों की स्थिति पर पेश की गई एक रिपोर्ट के अनुसार, देश में जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है। इसके चलते 2036 तक भारत में अतिरिक्त 6.4 करोड़ मकानों की जरूरत पड़ेगी। रिपोर्ट के अनुसार, 2018 तक भारत में लगभग 2.9 करोड़ मकानों की कमी थी। इसलिए भारत में 2036 तक कुल घरों की मांग लगभग 9.3 करोड़ हो जाएगी। यह रिपोर्ट क्रेडाई ने वाराणसी में आयोजित न्यू इंडिया समिट में डेटा एनालिटिक कंपनी लाइसिस फोरास के साथ मिलकर पेश की।

मझोले और छोटे शहरों में बढ़ने वाली है मांग

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि रियल एस्टेट सेक्टर को छोटे और मझोले शहरों पर अपना फोकस बढ़ा लेना चाहिए। क्रेडाई के अनुमान के मुताबिक, मझोले और छोटे शहर (सेकंड टियर और थर्ड टियर) में रियल एस्टेट की मांग तेजी से बढ़ने वाली है। क्रेडाई के अध्यक्ष बोमन ईरानी ने कहा कि तेजी से बढ़ती आबादी और इकोनॉमी के चलते मकानों की मांग एवं आपूर्ति में इजाफा हुआ है। लोगों की मकान खरीदने की क्षमता में भी सुधार आया है। लोग अब बड़े मकान खरीदने के इच्छुक हैं।

इकोनॉमी को 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका

क्रेडाई के चेयरमैन मनोज गौड़ ने बताया कि 2023 रियल एस्टेट सेक्टर से जुड़े सभी पक्षों के लिए उम्मीदों भरा साल रहा। हमें उम्मीद है कि यह मांग 2024 और उसके बाद भी जारी रहेगी। टियर 2 और 3 श्रेणी में आने वाले शहरों में घरों की मांग और निर्माण जोर पकड़ेगा। लाइसिस फोरास के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक पंकज कपूर ने कहा कि भारत का रियल एस्टेट सेक्टर एक अत्यंत महत्वपूर्ण मोड़ पर है। इसमें निरंतर मांग और आपूर्ति जीडीपी में योगदान दे रही है। यह इकोनॉमी को 5 ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने में पूरा सहयोग कर रही है।

खबर संक्षेप

टाटा स्टारबक्स वर्ष 2028 तक 1000 स्टोर खोलेगी

मुंबई। पेय पदार्थ से जुड़ी कंपनी टाटा स्टारबक्स की 2028 तक 1,000 स्टोर खोलने की योजना है। उसके अभी 390 स्टोर हैं। आधिकारिक बयान के अनुसार, कंपनी की हर तीन दिन में एक नया स्टोर खोलने और दूसरी (टियर-2) और तीसरी (टियर-3) श्रेणी के शहरों में उतरने की योजना है। कंपनी टाटा समूह और वैश्विक कॉफी श्रृंखला स्टारबक्स के बीच एक संयुक्त उद्यम है। दोनों की इसमें समान हिस्सेदारी है।

भारत फोर्ज करेगी 1000 करोड़ रुपए का निवेश

नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा बनाने वाली कंपनी भारत फोर्ज ने तमिलनाडु सरकार के साथ राज्य में पांच साल में 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी का इरादा राज्य में अपनी विनिर्माण पहुंच का विस्तार करने का है। कंपनी ने तमिलनाडु वैश्विक निवेशक बैठक-2024 के तहत राज्य सरकार की नोडल एजेंसी 'गाइडेंस' के साथ एमओयू किया है।

अदाणी पोर्ट्स ने बांड से जुटाए 500 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) ने मंगलवार को निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) जारी कर 500 करोड़ रुपये जुटाए। अदाणी समूह की कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि उसने दो सूचीबद्ध बांड के लिए कुल मिलाकर 500 करोड़ रुपये की बोलियां स्वीकार की हैं। इनमें से एक बांड की परिपक्वता अवधि पांच साल जबकि दूसरे की 10 साल है।

आईनॉक्स विंड को मिला एनएलसी इंडिया से ठेका

नई दिल्ली। पवन ऊर्जा समाधान प्रदाता आईनॉक्स विंड को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनएलसी इंडिया से 50 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है। आईनॉक्स विंड की ओर से जारी बयान के अनुसार, यह परियोजना गुजरात के कच्छ जिले में मेगा दयापार साइट से जुड़ी है। बयान में कहा गया, आईनॉक्स विंड लिमिटेड को एनएलसी इंडिया से 50-मेगावाट आईएसटीएस से जुड़ी पवन ऊर्जा परियोजना को निष्पादित करने के लिए एक आशय पत्र मिला है।

एलएंडटी को हरियाणा में मिला नए एम्स निर्माण का ठेका

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग एवं निर्माण समूह लार्सन एंड टुब्रो को हरियाणा के रेवाड़ी में नए एम्स भवन के निर्माण के लिए सरकार से एक परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत एक मिनी रत्न निजी क्षेत्र के उद्यम एचआईटीईएस से लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) कंस्ट्रक्शन के भवन तथा कारखाना व्यवसाय को यह ठेका मिला है।

वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन से पहले की मुलाकात

अर्थव्यवस्था को गति देने पीएम मोदी मिले शीर्ष कंपनियों के अधिकारियों से

एजेंसी ▶▶| गांधीनगर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दुनिया की प्रमुख कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। उनकी यह मुलाकात 'वाइब्रेंट' गुजरात शिखर सम्मेलन से पहले अर्थव्यवस्था को गति देने तथा रोजगार सृजित करने के लिये विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के इरादे से हुई है। दस जनवरी को शुरू हो रहे 'वाइब्रेंट' गुजरात शिखर सम्मेलन से एक दिन पहले प्रधानमंत्री ने सुजुकी मोटर कॉर्प, माइक्रोन टेक्नोलॉजी और एपी मोलर के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और उद्योग से जुड़े मुद्दों तथा निवेश अवसरों पर चर्चा की।

पीएम ने मारुति की योजनाओं पर की चर्चा

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा है, ''मोदी और सुजुकी मोटर कॉर्प के प्रतिनिधि निदेशक और अध्यक्ष तोशिहीरो सुजुकी ने भारत में विनिर्मित वाहनों का निर्यात करके देश को वैश्विक वाहन बाजार में एक मजबूत इकाई बनाने की मारुति सुजुकी की योजनाओं पर चर्चा की।

मारुति गुजरात में लगाएगी दूसरा संयंत्र

साथ ही दोनों ने वाहनों को कबाड़ में बदलने और वाहन पुनर्चक्रण से संबंधित वैश्विक स्तर की बेहतर गतिविधियों को लागू करने को लेकर भी बातचीत की।'' मारुति सुजुकी गुजरात में कार बनाने का दूसरा कारखाना लगाने पर विचार कर रही है। यह कंपनी का देश में पांचवा कारखाना होगा।

माइक्रोन के सीईओ से की मुलाकात

प्रधानमंत्री कार्यालय ने लिखा है, ''माइक्रोन टेक्नोलॉजी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय मेहरोत्रा ने प्रधानमंत्री मोदी से गांधीनगर में मुलाकात की। उन्होंने भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण परिवेश को बढ़ाने के लिए माइक्रोन के प्रयासों पर चर्चा की।''

अमेरिकी कंपनी ने चिप संयंत्र का काम शुरू किया

अमेरिकी चिप बनाने वाली प्रमुख कंपनी माइक्रोन ने अहमदाबाद से लगभग 40 किलोमीटर दूर साणंद में 2.75 अरब डॉलर के सेमीकंडक्टर कारखाने का निर्माण शुरू कर दिया है। कारखाने के इस साल दिसंबर तक तैयार होने की उम्मीद है।

पीएम डीपीवर्ल्ड के सीईओ सुलायेम से मिले

प्रधानमंत्री ने डीपी वर्ल्ड के समूह चेयरमैन और सीईओ अहमद बिन सुलायेम से भी मुलाकात की। उन्होंने भारत में निवेश को आगे बढ़ाने के लिए डीपी वर्ल्ड की योजनाओं पर चर्चा की। विशेष रूप से टिकाऊ, हरित और ऊर्जा दक्ष बंदरगाहों और विश्वस्तरीय पर्यावरण अनुकूल लॉजिस्टिक बुनियादी ढांचे के निर्माण से संबंधित मामलों पर चर्चा हुई।

मोलर के सीईओ स्वेंडसेन से मलाकात

दुबई की लॉजिस्टिक कंपनी वर्तमान में भारत में पांच कंटेनर टर्मिनल का परिचालन करती है। इसमें से दो मुंबई में, एक-एक मुंद्रा, कोचीन और चेन्नई में हैं। इनकी कुल क्षमता लगभग 60 लाख टीईयू है। मोदी ने एपी मोलर के सीईओ कीथ स्वेंडसेन से भी मुलाकात की।

सम्मेलन 10-12 जनवरी तक

'वाइब्रेंट' गुजरात शिखर सम्मेलन का आयोजन 10-12 जनवरी को होगा। इसमें 133 देशों के 1,00,000 प्रतिनिधियों के आने की उम्मीद है। इनमें कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उद्योगपति, मंत्री और राजनयिक शामिल हैं।

सरकारों, विश्व बैंक के पास 'खजाना' नहीं : बंगा

समस्याओं से निपटने को निजी क्षेत्र का साथ जरूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष चुनौतियों से निपटने के लिए निजी क्षेत्र के निवेश पर अड़चनों को हटाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसका कारण यह है कि न तो सरकारों के पास और नहीं बहुपक्षीय संस्थानों के पास धन का खजाना है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की अगले सप्ताह शुरू हो रही सालाना बैठक से पहले डब्ल्यूईएफ के संस्थापक और कार्यकारी चेयरमैन क्लॉस श्वाब के साथ बातचीत (पोडकास्ट) में बंगा ने कहा कि दुनिया के समक्ष तात्कालिक चुनौतियां गाजा और यूक्रेन में संघर्ष है। साथ ही कई उभरते बाजारों में कर्ज की स्थिति भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। मास्टरकार्ड के पूर्व प्रमुख ने कहा कि दीर्घकाल में प्रमुख चुनौतियां गरीबी और असमानता के साथ-साथ पर्यावरण को लेकर भी है। विश्व आर्थिक मंच के न्यासी बोर्ड के सदस्य की भी भूमिका निभा रहे बंगा 15 जनवरी से शुरू होने वाले पांच दिवसीय डब्ल्यूईएफ दावोस शिखर सम्मेलन में प्रमुख वैश्विक नेताओं में से एक होंगे। यह पूछे जाने पर कि असमानता और गरीबी की समस्याओं का समाधान क्या हो सकता है, उन्होंने कहा, '...समस्याओं का हल करने का सबसे अच्छा तरीका चीजों तक बेहतर पहुंच के साथ नौकरी भी है।

■ निजी क्षेत्र के निवेश पर अड़चनों को हटाना जरूरी होगा

आज गूगल ने बदल दी है चीजें

बंगा ने कहा, ''मुझे लगता है कि यदि आप अतीत में जाएं तो पाते हैं कि आप कुछ अलग सीखना चाहते थे, तो आपको एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका खरीदनी पड़ती थी। वह महंगी थी। और फिर गूगल आता है और सब कुछ अचानक से सबकी पहुंच में आ जाता है और चीजें सभी के लिए उपलब्ध होती हैं।''

बिजनेस साइट

केएससी टेक्नो ने लांच किया नया उत्पाद 'स्कॉर्ट'

रायपुर। केएससी टेक्नो का ओडिशा के पुरी में विक्रेता सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के 60 से ज्यादा जाने-माने विक्रेता बन्धु सम्मिलित हुए। जिसमें मुख्य रूप से कंपनी के कार्यकारी निदेशक सुनीत चतुर्वेदी एवं गणमान्य विक्रेता बन्धु नवीन बीज उत्पादक रायपुर, पुरूषोत्तम ब्रदर्स खरोदा, विकास स्टोर कलंगपुर, शिव ट्रेडर्स पिथौरा, साईंराम फर्टिलाइजर बड़गढ़, सुजाता ट्रेडर्स अतावीरा उपस्थित थे। बता दें कि कंपनी अभी तक 45 उत्पाद बाजार में उपलब्ध करा चुकी है। साथ में बीज कि उन्नत किस्मों की श्रृंखला उपलब्ध करा रही है। इसी के साथ-साथ धान के तना छेदक के लिए कंपनी ने 'स्कॉर्ट' नाम का कीटनाशक नई तकनीक के साथ लांच किया। केएससी के कार्यकारी निदेशक चतुर्वेदी ने बताया कि 'स्कॉर्ट' के प्रयोग से हमारे किसानों को उत्पादन में वृद्धि होगी तथा पर्यावरण एवं मनुष्य को किसी प्रकार की हानि नहीं पहुंचेगी। यह उत्पाद तना छेदक एवं पत्ती लपेटक कीट के लिए बहुत कारगर साबित होगा। यह दानेदार एवं तरल दोनों रूप में उपलब्ध है इसका 4 किलो ग्राम प्रति एकड़ उपयोग कर फसल के उत्पादन एवं क्वालिटी के साथ धान में फसल ले सकते हैं।

जी ने सोनी के साथ विलय सौदा पर जताई प्रतिबद्धता

नई दिल्ली। ज़ी एंटरटेनमेंट ने सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के साथ विलय के लिए मंगलवार को प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि वह लेनदेन के 'सफलतापूर्वक समापन' की दिशा में काम कर रही है। इस विलय सौदे के सफल होने पर 10 अरब डॉलर कारोबार वाला देश का सबसे बड़ी मीडिया समूह खड़ा होगा। अब कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (सीएमईपीएल) के नाम से जानी जाने वाली सोनी पिक्चर्स के साथ विलय सौदे को पूरा करने की विस्तारित समयसीमा 21 जनवरी को पूरी होने वाली है। इस सौदे पर दिसंबर, 2021 में हस्ताक्षर किए गए थे। ज़ी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा, ''हम दोहराना चाहते हैं कि कंपनी सोनी के साथ विलय के लिए प्रतिबद्ध है और इसे सफलतापूर्वक पूरा करने की दिशा में काम कर रही है।

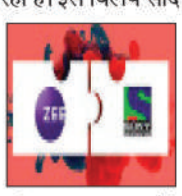

सोनी गोयनका को नेतृत्व देने सहज नहीं

हालांकि, बाजार नियामक सेबी के आदेश पर प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण ने रोक लगा दी है लेकिन सोनी जापान में अपनाई जाने वाली कठोर कॉरपोरेट प्रशासन नीतियों के कारण नई इकाई का नेतृत्व गोयनका को देने को लेकर सहज नहीं है।

भारत टेक्स एक्सपो में भाग लेंगे 3,500 से अधिक प्रदर्शक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश में 26-29 फरवरी के दौरान आयोजित होने वाला एक वैश्विक कपड़ा एक्सपो- 'भारत टेक्स 2024' में 3,500 से अधिक प्रदर्शकों और 3,000 से अधिक विदेशी खरीदारों के भाग लेने की उम्मीद है।

■ देश में 26 से 29 फरवरी तक होगा आयोजन

एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कपड़ा मंत्रालय में सचिव रचना शाह ने कहा कि एक्सपो में सरकार और उद्योग प्रतिनिधियों सहित कपड़ा मूल्य श्रृंखला के अंशधारकों के एक साथ आने की उम्मीद है।यह आयोजन भारत को खुद को वैश्विक सोर्सिंग और निवेश गंतव्य के रूप में प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा। शाह ने कहा, 'हमें भारत टेक्स एक्सपो में देश और विदेश से 3,500 से अधिक प्रदर्शकों, 3,000 से अधिक विदेशी खरीदारों और 40,000 व्यापारिक आगंतुकों के साथ-साथ नीति निर्माताओं, भारत और विदेश के सरकारी प्रतिनिधियों, उद्योग और खरीदारों की भागीदारी की उम्मीद है।'

सिफारिशों को दिया गया अंतिम रूप

कपड़ा सचिव ने कहा कि इंडियासाइज पहल के निष्कर्षों और सिफारिशों को अंतिम रूप दे दिया गया है और इसे जल्द ही औपचारिक रूप से पेश किया जाना चाहिए, जो भारतीय उद्योग के लिए भारतीय शरीर के प्रकार के अनुरूप मानक आकार बनाने पर काम करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

शेयर बाजार ने ज्यादातर शुरुआती लाभ गंवाया

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को मामूली तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 31 अंक की बढ़त में रहा। सेंसेक्स शुरू में अच्छी बढ़त के साथ खुला लेकिन कारोबार की समाप्ति से पहले बिकवाली के चलते इसका लाभ सिमट गया। कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा निवेशकों ने कंपनियों के तिमाही परिणाम और इस सप्ताह मुद्रास्फीति तथा अन्य महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े आने से पहले मुनाफावसूली को तरजीह दी। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स शुरू में तेजी से चढ़ा। अंत में यह 30.99 अंक की मामूली बढ़त के साथ 71,386.21 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 680.25 अंक तक चढ़ गया था। निफ्टी भी कारोबार के अंत में 31.85 अंक की हल्की बढ़त के साथ 21,544.85 अंक पर बंद हुआ।

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स की कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो सर्वाधिक 1.55 प्रतिशत मजबूत हुआ। इसके अलावा भारती एयरटेल, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, सन फार्मा और टाटा स्टील प्रमुख से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में नेस्ले, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक और एक्सिस बैंक शामिल हैं।

वैश्विक सुस्ती और आर्टिइंटेलिजेंस ने आईटी सेक्टर में मचाई उथल-पुथल

आईटी सेक्टर में नौकरियां घटी, हॉस्पिटेलिटी व फार्मा ने बांटी जॉब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश का आईटी सेक्टर लंबे समय से संकट में फंसा हुआ है। ग्लोबल सुस्ती और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने आईटी सेक्टर में उथलपुथल मचाई हुई है। इसका बुरा असर आईटी एम्प्लॉयीज पर भी पड़ रहा है। ऑटोमेशन के चलते उनकी नौकरियां जा रही हैं।

नई नौकरियों की संख्या भी तेजी से घट रही है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, आईटी सेक्टर में दिसंबर, 2022 के मुकाबले दिसंबर, 2023 तक हायरिंग में 21 फीसदी की गिरावट आई है। हालांकि, इस दौरान एआई सेक्टर की नौकरियों में जरूर इजाफा हुआ है।

■ आईटी सेक्टर में दिसंबर 2022 के मुकाबले दिसंबर 2023 में हायरिंग में 21 फीसदी की गिरावट

नौकरियों में आया उछाल आईटी सेक्टर के चलते हुआ बेदम

नौकरी डॉट कॉम के चीफ बिजनेस ऑफीसर पवन गोयल ने बताया कि पिछले साल नौकरियों में उछाल आया है। मगर, आईटी सेक्टर में आई गिरावट ने इस तेजी का प्रभाव दिखने नहीं दिया। आईटी सेक्टर में फिलहाल तेजी की उम्मीद नजर नहीं आ रही। हालांकि, हॉस्पिटेलिटी सेक्टर में नई नौकरियों की संख्या दिसंबर, 2022 के मुकाबले लगभग 4 फीसदी बढ़ी है।

बीपीओ, एजुकेशन, रिटेल और हेल्थकेयर सेक्टर में भी सुस्ती

नौकरी जॉब स्पीक इंडेक्स के अनुसार, आईटी सेक्टर में नौकरियों की कमी का बावजूद फुल स्टैक डाटा साइंटिस्ट, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर इंजीनियर और ऑटोमेशन इंजीनियर जैसी नौकरियों में उछाल आया है। इसके अलावा बीपीओ, एजुकेशन, रिटेल और हेल्थकेयर सेक्टर में भी संभलकर नौकरियां दी जा रही हैं। इन सेक्टर्स में नौकरियां क्रमश: 17, 11, 11 और 10 फीसदी कम हुई हैं।

हॉस्पिटेलिटी एवं फार्मा सेक्टर में दिखी तेजी

रिपोर्ट के मुताबिक, हॉस्पिटेलिटी एवं फार्मा सेक्टर में दिसंबर, 2023 तक नौकरियों की संख्या बढ़ी है। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में नौकरियां पिछले साल के मुकाबले लगभग 5 फीसदी बढ़ी हैं। हालांकि, नवंबर, 2023 से दिसंबर, 2023 तक नौकरियों में लगभग 2 फीसदी का इजाफा हुआ है। नौकरियों में यह तेजी नॉन आईटी सेक्टर में मिली नौकरियों के चलते दर्ज की गई।

छोटे शहरों में मिल रहीं ज्यादा नौकरियां

फार्मा सेक्टर में रिसर्च एवं डेवलपमेंट पर जोर बढ़ा है। इसके चलते प्लेसमेंट में भी तेजी आई है। नॉन मेट्रो शहरों ने नौकरियां देने के मामले में मेट्रो शहरों को पीछे छोड़ दिया है। वडोदरा में नई नौकरियों में पिछले महीने 3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई।

सोना 63,200 रुपए पर स्थिर चांदी में 450 रुपए की मजबूती

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोना 63,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर अपरिवर्तित बना रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। हालांकि, चांदी की कीमत 450 रुपये की मजबूती के साथ 76,750 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 76,300 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा, 'दिल्ली के बाजारों में मंगलवार को सोने की कीमतें स्थिर रहीं और यह पिछले 63,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ।' एमसीएक्स के वायदा कारोबार में सोने के फरवरी अनुबंध का भाव 261 रुपये बढ़कर 62,356 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। साथ ही एक्सचेंज पर चांदी के मार्च अनुबंध का भाव 176 रुपये बढ़कर 72,603 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मजबूती के साथ 2,031 डॉलर प्रति औंस और चांदी तेजी के साथ 23.10 डॉलर प्रति औंस हो गई।

मंजूषा, विनीत, कविथा को जीवनपर्यंत ध्यानचंद पुरस्कार, 5 खेलों के कोच को द्रोणाचार्य अवार्ड

मंजूषा कंवर

विनीत कुमार शर्मा

कविथा सलवाराज

▶▶| नई दिल्ली

वर्ष 2023 में खेल मैदान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया। इस बार ध्यानचंद पुरस्कार जीवनपर्यंत 3 खिलाड़ियों को दिया गया।

इन खिलाड़ियों में पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी मंजूषा कंवर, पूर्व हॉकी खिलाड़ी विनीत कुमार शर्मा तथा पूर्व कबड्डी खिलाड़ी कविथा सलवाराज शामिल हैं। इस वर्ष द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेताओं में शतरंज कोच आरबी रमेश भी शामिल हैं जिन्होंने प्रज्ञानानंदा को तैयार किया है। बता दें कि खेल रत्न विजेताओं को 25 लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है जबकि अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कार में 15 लाख रुपये का नकद पुरस्कार शामिल है।

द्रोणाचार्य पुरस्कार

ललित कुमार (कुश्ती), आरबी रमेश (शतरंज), महावीर प्रसाद सैनी (पैरा एथलेटिक्स), शिवेंद्र सिंह (हॉकी) और गणेश प्रभाकर देवरुखकर (मल्लखंब) को द्रोणाचार्य पुरस्कार मिला। ये पुरस्कार उन कोचों को दिया जाता है जिन्होंने अपना जीवन एथलीटों को प्रशिक्षित करने के लिए समर्पित कर दिया।

इन खिलाड़ियों को मिला ध्यानचंद पुरस्कार

इस बार ध्यानचंद पुरस्कार जीवनपर्यंत 3 खिलाड़ियों को दिया गया। पूर्व बैडमिंटन खिलाड़ी मंजूषा कंवर ने 1998 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। उन्होंने 2004 में पाकिस्तान में आयोजित दक्षिण एशियाई खेलों में पदक जीता था। पूर्व हॉकी खिलाड़ी विनीत कुमार शर्मा ने एशियाई खेलों में रजत और कांस्य पदक जीता था। वह ओलंपिक में भी हिस्सा ले चुके हैं। पूर्व कबड्डी खिलाड़ी कविथा सलवाराज ने 2010 में एशियाई खेलों और एशियाई कबड्डी चैंपियनशिप में कई पदक जीते हैं।

अर्जुन पुरस्कार

ओजस प्रवीण देवताले (तीरंदाजी), अदिति गोपीचंद स्वामी (तीरंदाजी), मुरली श्रीशंकर (एथलेटिक्स), पारुल चौधरी (एथलेटिक्स), मोहम्मद हुसामुद्दीन (मुक्केबाजी), आर वैशाली (शतरंज), अनुश अग्रवाल (घुड़सवारी), दिव्यकृति सिंह (घुड़सवारी ड्रेसेज), दीक्षा डागर (गोल्फ), कृष्ण बहादुर पाठक (हॉकी), सुशीला चानू (हॉकी), पवन कुमार (कबड्डी), रितु नेगी (कबड्डी), नसरीन (खो-खो), पिंकी (लॉन बाउल्स), ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर (शूटिंग), ईशा सिंह (शूटिंग), हरिंदर पाल सिंह संधू (स्क्वैश), अयहिका मुखर्जी (टेबल टेनिस), सुनील कुमार (कुश्ती)। अंतिम पंघाल (कुश्ती), नाओरेम रोशिबिना देवी (वुशु), शीतल देवी (पैरा तीरंदाजी), इलूरी अजय कुमार रेड्डी (ब्लाइंड क्रिकेट) और प्राची यादव (पैरा कैनोइंग)।

एमएकेए ट्रॉफी मिली इन विश्वविद्यालयों को

मौलाना अबुल कलाम आजाद (एमएकेए) ट्रॉफी 2023: गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर (समग्र विजेता विश्वविद्यालय), लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब (प्रथम रनर अप), कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र (द्वितीय रनर अप)।

समारोह में शामिल नहीं हो पाए चिराग और रंकीरेड्डी

बैडमिंटन खिलाड़ियों चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को 2023 में शानदार प्रदर्शन के लिए मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया था। वर्तमान में मलेशिया ओपन सुपर 1000 में खेलने के कारण यह जोड़ी समारोह में शामिल नहीं हो पाई। बता दें कि इस जोड़ी ने 2023 में एशियाई खेलों में अपना और बैडमिंटन में देश का पहला स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा एशियाई चैंपियनशिप और इंडोनेशिया ओपन का खिताब भी जीता।

26 खिलाड़ी और पैरा खिलाड़ी भी हुए सम्मानित

राष्ट्रपति भवन में 26 खिलाड़ियों और पैरा खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हांगझू एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली शीतल के फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ स्थिति के कारण दोनों हाथ नहीं हैं। वह दोनों हाथों के बिना तीरंदाजी करने वाली पहली अंतरराष्ट्रीय पैरा तीरंदाज हैं। टखने की चोट से उबर रहे शमी सम्मान हासिल करने के लिए समारोह में मौजूद थे।

देश की तीसरी ग्रैंडमास्टर वैशाली भी सम्मानित

हाल में शतरंज ग्रैंडमास्टर बनीं आर वैशाली को भी अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह स्टार ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद की बड़ी बहन हैं। कोनेरू हम्पी और द्रोणावल्ली हरिका के बाद ग्रैंडमास्टर बनने वाली वैशाली देश की तीसरी महिला खिलाड़ी हैं।

ईशा सिंह भी नहीं पहुंच पाईं समारोह में

युवा स्टार पिस्टल निशानेबाज 19 वर्षीय ईशा सिंह भी जकार्ता में एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर में हिस्सा लेने के कारण समारोह के लिए नहीं पहुंच पाईं। उन्होंने सोमवार को 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में व्यक्तिगत और टीम स्वर्ण जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया।

खबर संक्षेप

ऑकलैंड में पहले दौर में हारे बतिस्ता, शापोवालोव

ऑकलैंड। दो बार के चैंपियन रॉबर्टो बतिस्ता आगुत को मंगलवार को यहां एएसबी क्लासिक टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में स्पेन के अपने हमवतन रॉबर्टो कारबालेस बेइना के खिलाफ सीधे सेट में शिकस्त का सामना करना पड़ा।
कारबालेस ने 2016 और 2018 के चैंपियन बतिस्ता आगुत को 6-4, 6-3 से हराया। दुनिया के 10वें नंबर के पूर्व खिलाड़ी डेनिस शापोवालोव भी पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। उन्हें ऑस्ट्रिया के सबेस्टियन ओफनर के खिलाफ 6-4, 6-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। शापोवालोव पिछले साल जुलाई में विंबलडन के चौथे दौर में हार के बाद पहला प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेल रहे थे। उनके घुटने में गंभीर चोट लगी थी। बतिस्ता आगुत जुलाई 2023 में घुड़सवारी करते हुए चोटिल हो गए थे। उन्होंने अक्टूबर में वापसी करते हुए नवंबर में वैलेंसिया में फाइनल और पिछले हफ्ते हांगकांग में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी।

क्रिस्टी को हराकर दूसरे दौर में पहुंचा श्रीकांत

कुआलालंपुर। भारत के किदांबी श्रीकांत ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मंगलवार को यहां दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को कड़े मुकाबले में हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। आंध्र प्रदेश के गुंटूर के 30 साल के श्रीकांत ने एक घंटा और पांच मिनट चले पहले दौर के मुकाबले में छठे वरीय क्रिस्टी को 12-21 21-18 21-16 से हराया। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत अगले दौर में हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस से भिड़ेंगे। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत आम तौर पर तीन गेम के मुकाबले के दबाव को झेलने में नाकाम रहे हैं लेकिन मंगलवार को पहला गेम गंवाने के बावजूद उन्होंने धैर्य बरकरार रखते हुए जीत दर्ज की। इंडोनेशिया के खिलाड़ी के खिलाफ श्रीकांत ने कुछ बेहतरीन मैच खेले हैं। उन्होंने क्रिस्टी के खिलाफ 11 में से छह मुकाबलों में जीत दर्ज की है।

भारत और अफगानिस्तान के बीच पहली बार तीन मैचों की टी-20 सीरीज कल से

दोनों देशों के बीच अब तक नहीं खेली गई वनडे और टी20 में कोई भी सीरीज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के बीच 11 जनवरी से 3 मैचों की टी-20 सीरीज खेली जानी है। विश्व कप से पहले भारतीय टीम की आखिरी टी-20 सीरीज होगी। अफगानिस्तान और भारत के बीच टी-20 क्रिकेट के इतिहास में पहली बार कोई द्विपक्षीय सीरीज खेली जा रही है। बता दें कि दोनों देशों के बीच अब तक वनडे और टी20 में कोई भी सीरीज नहीं खेली गई है। ऐसे में दोनों टीमों के बीच यह पहली टी20 सीरीज होने वाली है। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे स्टार खिलाड़ी 14 महीने बाद टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी भी कर रहे हैं। सभी मैच शाम 7 बजे शुरू होंगे।

अफगानिस्तान की टी-20 टीम

टी-20 सीरीज के लिए अफगानिस्तान ने 19 सदस्यीय टीम का चुनाव किया है। इब्राहिम जादरान टीम के कप्तान हैं। अफगानिस्तान की टीम: इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनात, अजमुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ , मुजीब उर रहमान, फजल हक फारूकी, फरीद अहमद, नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, कैस अहमद, गुलबदीन नायब और राशिद खान।

ऐसी रहेगी रोहित शर्मा की ब्रिगेड

लगभग 1 साल के बाद एक बार फिर रोहित शर्मा टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो वह टी-20 विश्व कप में भी भारतीय टीम के कप्तान हो सकते हैं। भारतीय टीम: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।

भारत-अफगानिस्तान टी20 सीरीज का शेड्यूल

पहला टी20: 11 जनवरी, मोहाली, शाम 7 बजे से
दूसरा टी20: 14 जनवरी, इंदौर, शाम 7 बजे से
तीसरा टी20: 17 जनवरी, बेंगलुरु, शाम 7 बजे से

सिर्फ एक टेस्ट सीरीज हुई

दरअसल, भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक सिर्फ एक ही इंटरनेशनल द्विपक्षीय सीरीज खेली गई है। यह टेस्ट सीरीज थी, जो जून 2018 में हुई थी। तब उस द्विपक्षीय सीरीज के तहत सिर्फ एक ही टेस्ट मैच खेला गया था, जिसमें भारतीय टीम ने पारी और 262 रनों के अंतर से जीत दर्ज की थी।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को सात विकेट से हराकर जीती टी-20 सीरीज

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे टी-20 मैच में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 7 विकेट से हराते हुए सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम पर खेले गए मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 147/6 का स्कोर बनाया था। जवाब में कप्तान एलिसा हीली (55) और बेथ मूनी (52*) की पारी की बदौलत कंगारू टीम ने लक्ष्य हासिल किया। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ 5वीं टी-20 सीरीज जीती है। बता दें कि भारत ने मेजबान ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 2016 में अपनी इकलौती टी-20 सीरीज 2-1 से जीती थी।

ऐसा रहा रोचक मुकाबला

भारत ने पॉवरप्ले के बाद शफाली वर्मा के विकेट के नुकसान पर 51 रन बनाए। सधी हुई शुरुआत के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई और 66 रन तक टीम ने अपने 4 विकेट खो दिए। मुश्किल घड़ी में ऋचा घोष ने 34 रन की पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में हीली और मूनी ने पहले विकेट के लिए 85 रन की साझेदारी की। जोरदार शुरुआत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 18.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

मनीष और सिद्धार्थ आईटीएफ मांड्या ओपन के प्री-क्वार्टरफाइनल में

मांड्या। भारतीय टेनिस खिलाड़ी मनीष गणेश और सिद्धार्थ विश्वकर्मा आसान जीत के साथ मंगलवार को यहां आईटीएफ मांड्या ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। गणेश ने नीरज यशपाल को 6-1, 6-1 से हराया जबकि विश्वकर्मा ने आदिल कल्याणपुर को 6-3, 6-1 से शिकस्त दी। स्थानीय खिलाड़ी एसडी प्रज्वल देव को हालांकि पुरुष युगल में निराशा का सामना करना पड़ा। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले डेविस कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने वाले देव और उनके जोड़ीदार नितिन कुमार सिन्हा अंतिम 16 में नहीं पहुंच सके। भारत के करण सिंह और कोरिया के वूबीन सिन की जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी।

रुद्रांक्ष और मेहुली ने भारत के लिए जीता पांचवां स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶| जकार्ता

रुद्रांक्ष पाटिल और मेहुली घोष की जोड़ी ने मंगलवार को यहां 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा जीतकर भारत को निशानेबाजी एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में शेन युफान और झू मिंगशुआई की चीन की जोड़ी को 16-10 से हराया। रुद्रांक्ष और मेहुली की जोड़ी क्वालीफिकेशन में दूसरे स्थान पर रही थी। युफान और मिंगशुआई ने 632.3 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था। इन दोनों के क्वालीफाई करने के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले भारतीय निशानेबाजों की संख्या 15 हो गई है जो तोक्यो खेलों में देश के सबसे बड़े निशानेबाजी दल की बराबरी है।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ: कमिंस, दीप्ति, जेमिमा सहित ये खिलाड़ी हुए नामांकित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस को इंटरनेशनल क्रिकेट कॉउंसिल ने दिसंबर महीने के 'प्लेयर ऑफ द मंथ' पुरस्कार के लिए नामांकित किया है। उनके अलावा न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के ग्लेन फिलिप्स और बांग्लादेश क्रिकेट टीम के तैजुल इस्लाम भी इस सम्मान के लिए नामित होने वाले अन्य पुरुष खिलाड़ी हैं। भारतीय खिलाड़ियों में महिला टीम की दीप्ति शर्मा व जेमिमा रोड्रिग्ज को भी चुना गया है। बता दें कि इन खिलाड़ियों ने पिछले महीने कमाल का प्रदर्शन किया था।

दीप्ति-जेमिमा, मिरांज रहीं सर्वश्रेष्ठ

महिलाओं में भारत की दीप्ति शर्मा और जेमिमा रोड्रिगेज नामित हुई हैं। उनके अलावा जिम्बाब्वे की प्रेशियस मरांज नामांकित होने वाली तीसरी खिलाड़ी रहीं। दीप्ति ने इंग्लैंड के विरुद्ध 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 11 विकेट लिए थे। 55 की औसत से उनके बल्ले से 165 रन निकले थे। जेमिमा ने डेब्यू करते हुए इंग्लैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी उन्होंने 73 रन बनाए थे। मरांज ने विश्व कप क्वालीफायर में 13 विकेट लिए थे।

दिसंबर में कमाल का था कमिंस का प्रदर्शन?

कमिंस के लिए दिसंबर 2023 कमाल का रहा था। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 250 विकेट पूरे किए थे। 26 दिसंबर से शुरू हुए मेलबर्न टेस्ट में इस खिलाड़ी ने दोनों पारियों में 5 विकेट हॉल लिए थे। पहली पारी में उन्होंने 48 रन देकर 5 विकेट झटके थे और दूसरी पारी में उन्होंने 49 रन देकर 5 विकेट लिए थे। पर्थ टेस्ट में इस खिलाड़ी के नाम दोनों पारियों को मिलाकर 3 विकेट थे।

क्रिकेट इतिहास का सबसे छोटा टेस्ट मात्र 2 दिन में हुआ था खत्म

केपटाउन की पिच को आईसीसी ने माना 'असंतोषजनक'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के बीच हाल ही में सम्पन्न हुई टेस्ट सीरीज का दूसरा मैच केपटाउन के न्यूलैंड्स में खेला गया था, जिसमें रोहित शर्मा के नेतृत्व में मेहमान टीम ने 7 विकेट से जीत दर्ज कर इस मैदान में भारत की पहली जीत का इतिहास रच दिया था।

यह मैच 2 दिन के भीतर ही समाप्त हो गया था। इस बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने इस पिच को 'असंतोषजनक' करार दिया है। बता दें कि आईसीसी ने इस पिच को एक डिमेरिट अंक दिया गया है। डिमेरिट अंक उन स्थानों को दिया जाता है जिनकी पिच और आउटफील्ड को मैच रेफरी असंतोषजनक मानते हैं।

मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने जारी की रिपोर्ट

आईसीसी मैच रेफरी क्रिस बॉड ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि न्यूलैंड्स की पिच पर बल्लेबाजी करना बहुत मुश्किल था। पूरे मैच के दौरान गेंद तेजी से और कभी-कभी खतरनाक तरीके से उछलती थी, जिससे शॉट खेलना मुश्किल हो जाता था। बता दें कि एक डिमेरिट अंक उन स्थानों को दिया जाता है जिनकी पिच और आउटफील्ड को मैच रेफरी असंतोषजनक मानते हैं।

5 साल की अवधि के लिए सक्रिय रहते हैं डिमेरिट अंक

आईसीसी के नियमों के मुताबिक, अगर दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड इस फैसले को चुनौती देना चाहता है, तो उसके पास इसके लिए 2 हफ्तों का समय रहेगा। बता दे कि डिमेरिट अंक 5 साल की अवधि के लिए सक्रिय रहते हैं। जब किसी मैदान को 6 डिमेरिट अंक मिलते हैं, तो उसे 12 महीने की अवधि के लिए किसी भी अंतरराष्ट्रीय खेलों की मेजबानी करने से निलंबित कर दिया जाता है।

107 ओवर में ही समाप्त हो गया था मुकाबला

केपटाउन टेस्ट 107 ओवर (642 गेंद) में ही समाप्त हो गया था। यह टेस्ट इतिहास का गेंदों के लिहाज से सबसे छोटा मुकाबला बना था। इससे पहले सबसे छोटा मैच साल 1932 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 109.2 ओवर (656 गेंद) तक चला था।

मैच के पहले दिन गिरे थे कुल 23 विकेट

केपटाउन टेस्ट मैच के पहले दिन 75.1 ओवर का खेल संभव हो पाया था, जिसमें दोनों टीमों ने कुल 270 रन बनाए और इस बीच 23 विकेट गिरे थे। यह टेस्ट इतिहास में मैच के शुरुआती दिन दूसरे सर्वाधिक विकेट गिरने का रिकॉर्ड बन गया था। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 1902 में खेले गए मेलबर्न टेस्ट में पहले दिन 25 विकेट गिरे थे।

खानपान

डा. नीलकंठ देवांगन

बारों महीना बड़ मिठाथे घुघरी

आजकाल घरों घर खाना बनाय बर गैस चूल्हा होगे हे, जेखर घर नइ रिहिसे, सरकार उन्हूं ल चिन्हित कर गैस-चूल्हा दे देहे। जब एखर चलन नइ रिहिसे त सब घर माटी के चूल्हा मं छेना लकड़ी ले खाना बनत रिहिस। तब घर घर गाय बइला होवय। कोनो कोनो घर भइस-भइसा रहय। गोबर खूब होवये ओखर ले छेना कंडा बनाय जाय। बांचय तेला खातू बर घुरुवा मं डार देवंय। गोबर सकेलना, छेना थोपना रोज के काम होवय। अधरा-जादा छेना होवय त ओला अधरा रच के ओमा चांउर दार, साग सब्जी बनाय मं उपयोग करंय। अधरा मं पके चोवा चांउर (भात) स्वादिष्ट, पौष्टिक अउ पाचुक होथे। दार घलो बढ़िया गल जथे। साग भाजी घलो बन जथे, जउन दिन साग नइ रांधय, घुघरी उसन लेवंय। ओखरे संग भर पेट भात खा लेंवय। ओमा न तले के न मिर्चा मसाला डारे के जरूरत हे,सुवाद बर नून मिर्चा भले डार ले, छेना के अधरा मं घुघरी चुर जाय। ओखर पौष्टिकता नाश नइ होवय, बने चाव ले खावंय अउ तन्दरुष्ट राहंय।

रांधे के विधि

घुघरी लाख के लाखड़ी के, मसूर के, राहेर के या चना के होथे। ओला कोनो बरतन मं पानी डार के डबकाय जाथे। पहिली तो माटी के बरतन उपयोग मं होवय। अधरा मं चुरे घुघरी बड़ अच्छा लागय। एमा आगी ला कम करे या बढ़ाय जइसे कोनो काम नइ रहय। मद्धिम आंच मं डबक जथे, इही बेरा एमा थोकुन नून डार देथें, तब बरतन के बचे पानी ल ढार देथें, तहाने घुघरी तियार। पानी ढारे के बाद जउन बचिस, उही ह घुघरी आय। ओखरे संग भात, रोटी खा लेवंय। सुवाद बर चटनी अथान खा लेवंय, खाय के मजा आ जाय। कोनो ला तले भुने खाना पसंद हे त ओखर बर फोरन डार के तेल मं तल देथें। मिर्चा, मसाला, नून डार देथें। ओहा मसाला दार चुरपुरा घुघरी बन जथे। येहु हा चना के उबले घुघरी तो आय। ओला तल के, मिर्चा मसाला डार के चुरपुरा बना देथें। ओखर ऊपर हरियर पत्ती धनिया डार देथें। घर मं घलो लाख, मसूर, चना, राहेर के घुघरी सुवाद वाला बना के खावंय। घुघरी ल मद्धिम आंच मं पकाय जाथे। ओखर पौष्टिक गुन अउ जीवन सत्व बने रथे। अब तो येहा गुजरे जमाना के चीज हो गेहे।

पुस्तक समीक्षा

सोनहा छिन

कृति के नाव: सोनहा छिन

कृतिकार: किशोर तारे

प्रकाशक: महावीर प्रिंटर्स,रायपुर

समीक्षक: कमल नारायण

मूल्य: एक सौ पचास रुपिया

छत्तीसगढ़ी म कलम चलाने वाला कृतिकार ह छत्तीसगढ़ी ल जियत हें। आप मन हिन्दी, अंग्रेजी अउ मराठी संग छत्तीसगढ़ी लेखन म पांव रखेव। आपके कहना हे कि छत्तीसगढ़ महतारी के करजा उतारे के येहा मोर प्रयास आय। आप अपन पहिली प्रयास म सफल लगत हो। काबर कि आप मन अपन कृति म छत्तीसगढ़ के वीर सपूत संग इहां के संस्कृति ल रखे के प्रयास करे हव। आप मन जतका अच्छा लिखथव वोतका अच्छा बोलथव घलो। येहा आपके लेखन म दिखत घलो हे। आप मन ऐ कृति म कतको अकन हिन्दी शब्द के उपयोग घलो होय हे जेनला आप स्वीकार घलो करत हव, संग में सुधार करे के आश्वासन घलो देथव। आसा हे आने बोली भाखा के मन घलो ऐ कृति ल पढ़ के छत्तीसगढ़ी भाखा म लिखे के उदीम करहीं।

बस्तर के आदिवासियों में मृतक संस्कार के समय मृत्यु गीत गाने की परंपरा है, जिसे हानालपाटा या पाटापारो कहा जाता है। यह गीत महिला द्वारा गाई जाती है, गाते समय सहायिका का सहयोग लिया जाता है। उनके गीत में रोजमर्रा की परेशानियों का जिक्र, मेहमानों की आवभगत में दिक्कतों की चर्चा भी होती है। उस वंश में मृतकों की संख्या जितनी ज्यादा होती है, गीत उतने ही अधिक दिनों तक गाई जाती हैं।

आदिवासियों में मृतक संस्कार के समय गाए जाने वाले गीत को कहा जाता है पाटापारो

छत्तीसगढ़ के आदिवासियों में अनेक परंपराओं का निर्वहन समय-समय पर किया जाता है, जिसमें बस्तर के आदिवासियों में मृतक संस्कार के समय मृत्यु गीत गाने की परंपरा है, जिसे हानालपाटा या पाटापारो कहा जाता है। यह गीत महिला द्वारा गाई जाती है, गाते समय सहायिका का सहयोग लिया जाता है। वह मृतकों के नाम से दीपक जलाकर मृतात्माओं को शराब का तर्पण करती हैं। कहा जाता है कि मृतात्माओं को तर्पण कर उन्हें आव्हान करती हैं, जिससे उनकी आत्माएं उन पर आ जाती हैं। उस वंश में जितने मृत व्यक्ति होते हैं उनकी जीवनी गाती हैं। उनके गीत में रोजमर्रा की परेशानियों का जिक्र, मेहमानों की आवभगत में दिक्कतों की चर्चा भी होती है। उस वंश में मृतकों की संख्या जितनी ज्यादा होती है, गीत उतने ही अधिक दिनों तक गाई जाती हैं। गीत समाप्ति के बाद पाटापारो एवं महिलाओं का दल, पुरूषों द्वारा वाद्य यंत्र के दलों द्वारा बजाते हुए तय किए पहाड़ पर जाते हैं। इस वादक दल में ढोल अनिवार्य रूप से बजाए जाते हैं। वहां से पत्थर उठाए जाते हैं। यह पत्थर मृत व्यक्ति के उम्र के आधार पर निश्चित किए जाते हैं। अधिक उम्र के व्यक्ति का पत्थर एक फुट तक होता है और बाकी के छोटे बच्चों का पत्थर छोटा होता है। पत्थरों को नए कपड़े से ढंक कर निश्चित स्थान पर अक्को मामा द्वारा लाया जाता है। मेनिहर लगाने के स्थान को साफ किया जाता है वहां शराब का तर्पण कर चावल-दाल भेंट किया जाता है। इसके पश्चात सीधी रेखा में अलग-अलग पत्थरों के लिए गडढे खोदे जाते हैं। पुरूषों का अलग एवं महिलाओं का अलग मेनिहर गाड़ा जाता है। छोटे बच्चों के मेनिहर, माता के मेनिहर के पास गाड़ा जाता है। इसके बाद की सभी प्रक्रियाएं दशगात्र में होने वाले क्रिया कर्म की तरह किया जाता है।

परंपरा: वेदवती मंडावी

मनमोहक होता है धसकुंड जलप्रपात

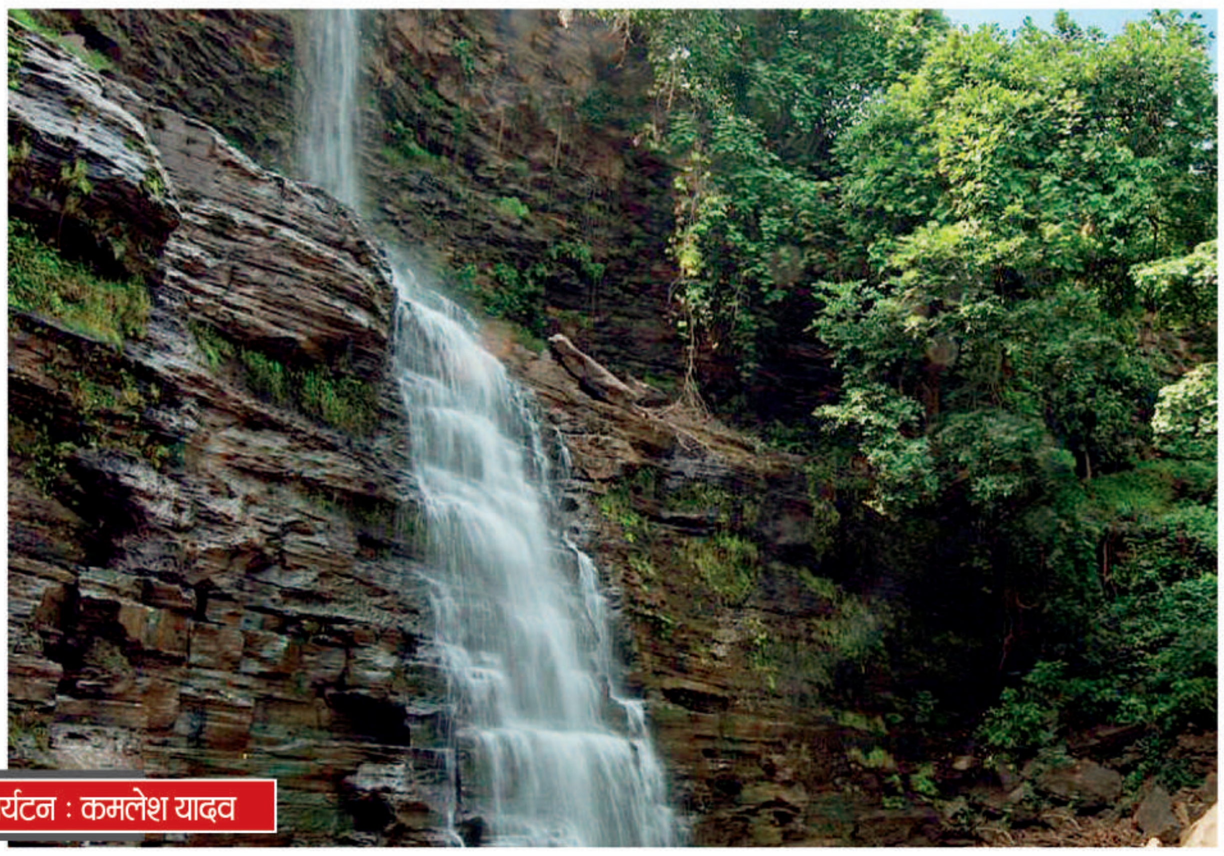

पर्यटन : कमलेश यादव

छत्तीसगढ़ के हर कोने में तीर्थ स्थलों के अलावा प्राकृतिक सौंदर्य के स्थलों को देखा जा सकता है। इसी कड़ी में प्राकृतिक सौंदर्य के स्थलों में बलौदाबाजार जिला स्थित धसकुंड जलप्रपात का है। माना जाता है कि प्राचीन समय में यह स्थल समतल रहा होगा, और प्राकृतिक आपदा के कारण यह स्थल धंस कर कुंड का रूप ले लिया होगा, इसी कारण इस जल प्रपात का नाम धसकुंड जलप्रपात रखा गया होगा। जंगल-झाड़ियों के बीच इस स्थल पर पहुंचना कठिन होता है। टेढे-मेढ़े और कटीली झाड़ियों से होकर उक्त स्थल पर पहुंचा जाता है। पहुंचने के बाद इस कुंड पर झरते झरना का दृश्य अद्भुत नजर आता है। कहा जाता है कि इस कुंड का पानी कभी सूखता नहीं है। बरसात के दिनों में इस स्थान का नजारा कुछ और ही होता है। अनजान से इस जलप्रपात में पर्यटकों की संख्या अब बढ़ने लगी है।

छत्तीसगढ़ी साहित्य म मिलथे नामकरण के प्रमाण

लोक साहित्य : सरला शर्मा

छत्तीसगढ़ी साहित्य हर अपन नामकरण बर मौन साधे प्रमाण व्यक्त करथे। सन 1947 म खैरागढ़ राज के चारण कवि दलराम राव के रचना म छत्तीसगढ़ी नाव आय हे त सन 1746 ईस्वी म कवि सिरोमनि गोपाल मिसिर हर 'खूब तमाशा' म ऐ क्षेत्र ल छत्तीसगढ़ संबोधन करे हे। लगभग 150 साल बाद सन 1896 ईस्वी म बाबू रेवाराम हर 'विक्रम विलास' म छत्तीसगढ़ नाव लिखे हे। संभवतः वो समे इहां 36 ठन गढ़ रिहिस होही। इही नाव आगे चलके सर्वमान्य होगिस। पहिली चेदि देस के राजा रहिस, बलसाली,हो सकथे इही पाय के छत्तीसगढ़ ला चेदिसगढ़ कहे जात रिहिस होही। मान्यता, तर्क विकल्प चाहे जतको रहय, बेरा संग दक्षिण कोसल हर छत्तीसगढ़ जाने-माने गिस। जोरहा मान्यता ऐ हे कि कैप्टन ब्लंट हर 1795 ईस्वी म छत्तीसगढ़ नाव के प्रस्ताव रखिस जेला नागपुर दरबार म पदस्थ जेनेकिस हर 'जमींदार्स आफ छत्तीसगढ़' लिखे हे।

गांव की कहानी

डा. पुष्पलता मिश्रा

अनेक साक्ष्यों को साक्षी गांव: कबीरधाम का कामठी

कबीरधाम जिले के अंतर्गत ग्राम कामठी का ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व है। प्राचीन काल में समृद्ध शहर रहा होगा। यहां के जमींदार का नाम प्रतापपुर था। गोंडवाना राज्य के जमींदार इस स्थल पर निवास करते थे। यहां छः कोरी छः आगर तालाब होने की जानकारी मिलती है। यहां भगवान शिव मंदिर काफी पुराना है, मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर मेले का आयोजन किया जाता है। इसी स्थल से कुछ ही दूरी पर स्थित गांव भेड़ागढ़ में अनेक पुरातात्विक अवशेष बिखरे पड़े हैं।

इतिहासकारों के अनुसार कबीरधाम जिले के अंतर्गत ग्राम कामठी का ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व है। यह स्थान प्राचीन काल में समृद्ध शहर रहा होगा। यहां के जमींदार का नाम प्रतापपुर था। गोंडवाना राज्य के जमींदार इस स्थल पर निवास करते थे। यहां छः कोरी छः आगर तालाब होने की जानकारी मिलती है। वर्तमान में बहुत कम तालाब ही नजर आते हैं और कई तालाबों का अस्तित्व समाप्त होता नजर आने लगा है। यहां भगवान शिव मंदिर भी काफी पुराना है, मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी आस्था प्रकट करने आते हैं। इसी स्थल से कुछ ही दूरी पर स्थित गांव भेड़ागढ़ में अनेक पुरातात्विक अवशेष बिखरे पड़े देखे जा सकते हैं। इसके साथ ही अनेक औजारों और बर्तन तथा रोजमर्रा की वस्तुएं खुदाई के दौरान मिलती रहती हैं। इन दोनों गांवों में खंड़ति मूर्तियां, छोटे-बड़े टीले बिखरे पड़े हैं। यहां प्राप्त काले ग्रेनाइट पत्थरों में देवी-देवताओं के चित्र उकेरे गए हैं। इन स्थलों पर पुरातत्वविद सर्वेक्षण करने आते रहते हैं।

सुषैण वैद्य पर माता कौशिल्या का आशीष रहा

ऐतिहासिक

राजेन्द्र वर्मा 'तोषी'

छत्तीसगढ़ के रामायणकालीन इतिहास को खंगालने पर भगवान राम और माता कौशिल्या से संबंधित अनेक प्रमाण मिलते हैं, बाल्मिकी रामायण में छत्तीसगढ़ में राम की महिमा का वर्णन हमें देखने को मिलता है। एक प्रसंग से ज्ञात होता है कि सुषैण वैद्य आयुर्वेद के प्रकाण्ड ज्ञाता थे, क्योंकि उन्हें माता कौशिल्या से आशीर्वाद प्राप्त हुआ था, कि जो भी व्यक्ति सुषैण वैद्य के समाधि स्थल से मिट्टी लेकर अपने शरीर के पीड़ित भाग पर लेप लगाएगा, उसकी पीड़ा दूर हो जाएगी। इसलिए आज भी लोग आस्था और विश्वास के साथ उनकी समाधि की मिट्टी का प्रयोग कर अनेक व्याधियों से मुक्ति पाते हैं। ज्ञात रहे तब आज का रायपुर जिला अंतर्गत ग्राम चंदखुरी पहले वैद्य चंदखुरी के नाम से विख्यात था। जनश्रुति अनुसार सुषैण वैद्य यहां के मूल निवासी कहलाने लगे। इसका प्रमाण चंदखुरी स्थित सोमवंशीकालीन शिव मंदिर के मुख्य द्वार पर बने बाली-सुग्रीव का मल्लयुद्ध एवं तारा की प्रतिमा से माना जाता है, क्योंकि बाली की पत्नी तारा सुषैण की सुपुत्री थी।

श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में रामायण के पात्रों को किया जाय आमंत्रित : राजशेख उपाध्याय

राममंदिर ट्रस्ट से सभी कलाकारों को आमंत्रित करने का किया आग्रह, रामायण में जामवंत की भूमिका निभाने वाले राशेखर उपाध्याय बोले यह गर्व की बात

प्रखर भदोही। अयोध्या में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोगों में काफी उत्साह है। शहर से लेकर गांव तक हर घर पूजित अक्षत पहुंच रहा है। फिल्म, क्रिकेट और अभिनय की दुनिया से जुड़े खास लोग चाहते हैं कि उन्हें राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया जाए। टीवी सीरियल रामायण में जामवंत के साथ अन्य भूमिका निभाने वाले अभिनेता राजशेखर उपाध्याय श्रीकांत भी रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर काफी उत्साहित है।

राजशेखर उपाध्याय टीवी सीरियल और फिल्मों के चर्चित चेहरे हैं। उन्होंने रामानंद सागर प्रोडक्शन की रामायण टीवी सीरियल में जामवंत के साथ कई अन्य किरदार भी निभाए। राम मंदिर निर्माण और श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर वे बेहद खुश हैं। उन्होंने बातचीत में बताया कि रामलला हिंदुत्व के संस्कार और गौरव हैं। यह हर भारतीय के लिए गर्व का विषय है। अयोध्या में लंबे संघर्ष के बाद प्रभु विराजमान होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभु श्रीराम की भव्य और दिव्य प्रतिमा को स्थापित करेंगे। इस दौरान प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। 22 जनवरी को होने वाली प्राण प्रतिष्ठा के लिए योगी ने प्रदेश में अवकाश की घोषित किया है। इसे लेकर मैं बेहद प्रसन्न हूं। उन्होंने कहा अयोध्या से यह हिंदुत्व के नए युग का सूत्रपात हो रहा है।

रामायण में जामवंत की भूमिका निभाने वाले राजशेखर श्रीकांत उपाध्याय भदोही जनपद के सुरियावां के हरिहरपुर गांव के निवासी हैं। हाल ही में उनकी धर्मपत्नी का स्वर्गवास हो गया था। जिसकी वजह से वह गाँव आए हैं। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में अगर उन्हें मंदिर निर्माण ट्रस्ट की तरफ से आमंत्रण मिला तो वह जरूर जाएंगे। उन्होंने कहा यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं ऐसे धार्मिक और महान कार्य में अपने को उपस्थित पाकर धन्य समझूंगा। उन्होंने रामलाल ट्रस्ट से निवेदन किया है की पूरी रामायण सीरियल की टीम को आमंत्रित किया जाए। उनके अनुसार अब बहुत कलाकार नहीं बचे हैं। जिसमें लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले सुनील लहरी आमंत्रण न मिलने पर अपनी भावना व्यक्त कर चुके हैं।

राजशेखर उपाध्याय ने बताया कि राम की भूमिका निभाने वाले अरुण गोविल, सीता की भूमिका में दीपिका चिखलिया, लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले सुनील लहरी और मंदोदरी की भूमिका निभाने वाली अपराजिता भूषण को आमंत्रित करना चाहिए। उन्होंने बताया की अरुण गोविल को आमंत्रित किया गया है। उपाध्याय ने बताया कि टीवी सीरियल रामायण जरिए प्रभु श्रीराम का चरित्र घर-घर पहुंचा। रामायण ने बहुत अच्छी जानकारी लोगों के बीच पहुंचाई। रामानंद सागर बधाई के पात्र रहे। हम राममंदिर निर्माण ट्रस्ट, केंद्र एवं राज्य सरकार से निवेदन करते हैं कि रामायण में जिन कलाकारों ने अपनी भूमिका निभाई है उन्हें आमंत्रित किया जाए जिससे वह इस भव्य और दिव्य अवसर का लाभ उठा पाएं।

अस्सी के दशक का वह सुनहरा दौर था। जब दूरदर्शन पर रामायण का प्रसारण किया जा रहा था। रामायण को देखने के लिए लोगों में एक अजीब उत्साह था। उन्होंने बताया हम लोग जहां जाते थे वहां के लोग जब यह सुनते थे कि इन्होंने रामायण में भूमिका निभाई है तो उस अभिनेता को भगवान की तरह सम्मान देते थे। रामायण टीवी सीरियल ने हम जैसे कलाकारों को बहुत बड़ा नाम दिया है। रामानंद सागर ने रामायण को घर-घर पहुंचने का काम किया। लॉकडाउन में दुनिया में सबसे अधिक देखा जाने वाला टीवी सीरियल रामायण बना। फिलहाल अगर रामायण के कलाकारों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया गया तो यह पूरे कलाकारों के लिए गर्व विषय होगा।

सरकारी धन गबन के आरोप में 03 अभियुक्तों को गहमर पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी गाजीपुर के निर्देश पर ब्लाक भदौरा मे वित्तीय अनियमितता के सम्बन्ध मे जाँच हेतु मुख्य विकास अधिकारी गाजीपुर व जिला पंचायत राज अधिकारी गाजीपुर टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा जाँचोपरान्त 15 लाख 3 हजार 472 रुपये की वित्तीय अनियमितता पाये जाने पर अंशुल मौर्या जिला पंचायत राज अधिकारी गाजीपुर की तहरीर पर धारा 409 भादवि बनाम नरगिस खान पत्नी औरंगजेब खान निवासी ग्राम रक्शहा थाना दिलदारनगर जमपद गाजीपुर, गिरीशचन्द्र सिंह पुत्र लछीराम सिंह निवासी ग्राम पोस्ट छपरा सुल्तानपुर थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़, तबरेज खान पुत्र वाजिद खान पुत्र निवासी उसिया थाना दिलदारनगर जनपद गाजीपुर के विरूद्ध पंजीकृत होकर विवेचना वरिष्ठ उप निरीक्षक पन्नेलाल यादव द्वारा प्रारंभ की गयी। अब तक की तमामी विवेचना से अभियोग में धारा 419/420/467/468/471/120बी/34 भादवि की बढोत्तरी की गयी तथा अभियुक्त औरंगजेब खान पुत्र स्व0 सलाउद्दीन खान निवासी रक्सहा थाना दिलदारनगर का नाम प्रकाश में आया । दिनांक 09 जनवरी 2024 को अभियोग में वांछित चल रहे अभियुक्तगण गिरीशचन्द्र सिंह पुत्र लछीराम सिंह निवासी ग्राम पोस्ट छपरा सुल्तानपुर थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़, राज ट्रेडर्स तबरेज खान पुत्र निवासी उसिया थाना दिलदारनगर जनपद गाजीपुर, औरंगजेब खान पुत्र स्व0 सलाउद्दीन खान निवासी रक्सहा थाना दिलदारनगर को नियमानुसार गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कलेक्ट्रेट सभागार में पूर्ण की जाएगी ई लाटरी की प्रक्रिया, किसानों को मिलेगी कृषि यंत्रों की सौगात

प्रखर संतकबीरनगर। मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार ने बताया है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में कृषि यन्त्रीकरण की समस्त योजनाओं के अन्तर्गत रू० 10000/- से अधिक अनुदान वाले समस्त यन्त्र/कृषि रक्षा उपकण, कम्बाईन मशीन, कस्टम हायरिगं सेन्टर, हाई टेक हब फॉर कस्टम हायरिंग, थेसिगं फ्लोर, स्माल गोदाम, रोटावेटर इत्यादि यन्त्रो की ई-लाटरी जनपद में दिनांक 11.01.2024 को समय अपरान्ह 03.30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति डी0एल0एस0सी0 के सदस्यों द्वारा ई-लाटरी की प्रकिया पूर्ण की जायेगी। उन्होंने जनपद के किसान

भाइयों से अपील किया है कि जिनके द्वारा कृषि विभाग में संचालित योजनाओं के माध्यम से कृषि यन्त्र/कृषि रक्षा उपकण, कम्बाईन मशीन, कस्टम हायरिगं सेन्टर, हाई टेक हब फॉर कस्टम हायरिंग, थेसिगं फ्लोर, स्माल गोदाम, रोटावेटर इत्यादि यन्त्रो की बुकिगं की गयी है तथा जिनकी बुकिगं ई-लाटरी की प्रकिया के अन्तर्गत है वह दिनांक 11.01.2024 को समय 03.30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में उपस्थित रहकर ई-लाटरी प्रकिया में भाग ले सकते है। दिनांक 11.11.2024 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ई-लाटरी कमेटी के सदस्यो एवं कृषक बंधुओं की उपस्थिति में समस्त प्रकार के रू0 10000/- से अधिक अनुदान वाले समस्त यन्त्र / कृषि रक्षा उपकण, कम्बाईन मशीन, कस्टम हायरिगं सेन्टर, हाई टेक हब फॉर कस्टम हायरिग, थेसिगं फ्लोर, स्माल गोदाम, रोटावेटर आदि के बुकिगं उपरान्त ई-लाटरी के माध्यम से चयन हेतु लम्बित कृषको का ई-लाटरी के माध्यम से किया जायेगा ।

विद्यापीठ में एन0एस0एस0 स्वयंसेवकों द्वारा नशा मुक्त भारत के लिए पोस्टर प्रतियोगिता

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। गांधी काशी विद्यापीठ के राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत ललित कला विभाग में विभाग के सभागार में नशा मुक्त भारत विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया` यह प्रतियोगिता विकसित भारत@ 2047भारत को नशा मुक्त बनाने के लिए एक कदम है प्रतियोगिता में 68 वॉलिंटियर ने भाग लिया, प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने युवाओं को नशा मुक्त करने हेतु पोस्टर के माध्यम से लोगों को सचेत किया` प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कृष्ण कुमार ने सिगरेट पीने से फेफड़ों का क्या हाल होता है विषय को रंग एवं ब्रूस के द्वारा प्रस्तुत किया` द्वितीय स्थान सुहानी मौर्य ने सिगरेट ,शराब एवं साइबर नशा पर प्रतिघात करते हुए आजकल लोग आत्महत्या कर रहे

हैं उन्हें जल रंग द्वारा दशार्ने का प्रयास किया है तृतीय स्थान आदर्श कुमार ने नशा में शरीर के अंग खराब होते हैं उन्हें पेपर पर जल रंगों द्वारा साकार किया है` इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ.रविंद्र कुमार गौतम, कार्यक्रम अधिकारी डॉ.सुनील कुमार विश्वकर्मा,डॉ. सविता यादव तथा डॉ.शत्रुघ्न प्रसाद, डॉ.रामराज, प्रवीण प्रकाश ,हिमांशु, किशन गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

जेसीआई जौनपुर चेतना ने भव्य कार्यक्रम कर नवनियुक्त अध्यक्ष मीरा अग्रहरी को दिलाई शपथ

प्रखर जौनपुर । जेसीआई जौनपुर चेतना की नव चयनित अध्यक्ष मीरा अग्रहरि को 2023 की अध्यक्ष सोनी जायसवाल ने 2024 की अध्यक्ष के रूप में शपथ दिलवाई। तत्पश्चात 2024 के सचिव वंशिका सिंह,कोषाध्यक्ष मीना गुप्ता सहित पूरी कार्यकारिणी को 2024 की अध्यक्ष ने शपथ दिलाई। रुहटटा स्थित शाश्वत वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंडला अध्यक्ष वसुंधरा सिंह रही तो वही विशिष्ट अतिथि माया टंडन, मंडल अध्यक्ष पल्लवी सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, निवर्तमान अध्यक्ष सोनी जायसवाल ने अपनी पूरी टीम के सदस्यों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। तत्पश्चात नव चयनित कोषाध्यक्ष मीना गुप्ता ने सदस्यों को सम्मानित किया इसके बाद मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष वसुंधरा सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि उन्होंने अपने जेसीआई का सफर सर्वप्रथम जेसीआई जौनपुर चेतना से शुरू किया जेसीआई जौनपुर चेतना से उन्हें विशेष लगाव है और उन्हें पूर्ण विश्वास है कि 2024 की अध्यक्ष मीरा अग्रहरि के नेतृत्व में जेसीआई चेतना मंडल का सर्वश्रेष्ठ अध्याय बनेगा।मंडल में सर्वप्रथम सदस्यता ग्रहण करने पर अध्यक्ष मीरा अग्रहरि को गोल्डन कलर देकर सम्मानित किया। विशिष्ट अतिथि पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष माया टंडन ने कहा की जेसीआई चेतना महिलाओं की समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाने का कार्य कर रही है ,उप मंडल अध्यक्ष पल्लवी सिंह ने नए सदस्यों को सदस्यता ग्रहण कराई इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष मेघा रस्तोगी का विशेष योगदान रहा तथा पूर्व अध्यक्ष नीतू गुप्ता ,चारू शर्मा, कल्पना केसरवानी ,मधु गुप्ता ,रीता कश्यप,शिवांगी कश्यप , अफ्शा नाज मौजूद रही ,अभिलाषा श्रीवास्तव ने नई कार्यकारिणी को बधाई दी, इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष रूपेश, राधे रमण जयसवाल, यशी गुप्ता,सचिव अनाया अग्रहरि रही संस्था की कई सदस्यों ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति जताई ,सचिव वंशिका सिंह ने कार्यक्रम के अंत में सबका आभार व्यक्त किया।

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने के मद्देनजर यातायात पुलिस का रूट डाईवर्जन का मास्टर प्लान तैयार

ट्रांसपोर्ट यूनियन के सदस्यों के साथ यातायात क्षेत्राधिकार के द्वारा बैठक कर किया गया संवाद

प्रखर संतकबीरनगर। आने वाले 22 जनवरी को भारत ही नहीं विश्व पटल पर एक ऐतिहासिक स्वर्णिम युग प्रारंभ होने जा रहा है। भारत में ही सिर्फ बसने वाले हिंदुओं के आस्था का नहीं बल्कि पूरे विश्व में सनातन धर्म का एक नया उदय होने जा रहा है आपको बता दें कि 22 जनवरी 2024 को प्रभु श्री राम के मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा होने जा रहा हैं उस दिन प्रभु अपने टाट से उठ कर अपने ठाठ वाले महल में विराजमान होने जा रहे हैं । देश के प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा विश्व स्तर के अति विशिष्ट अतिथियों का आगमन होने जा रहा है इसलिए यातायात की व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित होती रहे इसी क्रम में आज संत कबीर नगर जिले के यातायात पुलिस कार्यालय खलीलाबाद स्थित बाईपास चौराहे पर क्षेत्राधिकार यातायात पुलिस दीपांशी राठौर के नेतृत्व में ट्रांसपोर्ट यूनियन के सदस्यों के साथ औपचारिक बैठक की गई इस बैठक के दौरान अयोध्या धाम में होने वाले अलौकिक कार्यक्रम को लेकर वाहनों के आवाजाही को लेकर रूट डायवर्जन के मास्टर प्लान पर संवाद किया गया। यातायात क्षेत्र का अधिकारी दीपांशी राठौर ने बताया कि 19 जनवरी शाम 4:00 बजे से सभी भारी वाहनों को मगर स्थित दुर्गा मंदिर से तथा खलीलाबाद सोनी होटल से बाईपास हो कर , तथा टेमा रहमत से रूट डायवरजन किया जाएगा बड़ी गाड़ियों का अयोध्या की तरफ जाना मुमकिन नहीं होगा। बड़ी हैवी गाडियों को रूट डायवर्जन के नियम का पालन करना अनिवार्य होगा।

जिला कांग्रेस कमेटी ने बढ़ते अपराध तथा सरकार की द्वेशपूर्ण कार्यवाही के लिए राज्यपाल को भेजा पत्रक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला कांग्रेस कमेटी, उत्तर प्रदेश के निर्देश पर आज दिन बुधवार को जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा सूबे की भाजपा सरकार के खिलाफ संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन कर गांधीवादी तरीके से एक पत्रक जिलाधिकारी गाजीपुर के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को सौंपा गया। जिसमें जिलाध्यक्ष सुनील राम ने कहा कि आज यूपी में अपराध चरम पर है, अपराधी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी प्रदेश में भ्रष्टाचार और अपराध को रोक पाने में पूरी तरह से असफल और लाचार हैं, भ्रष्टाचार, महिला उत्पीड़न, फर्जी पुलिसिया कार्यवाही और अपराध रोकने में असफल सरकार के खिलाफ कांग्रेस पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर डीएम गाजीपुर के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को पत्रक भेजी है। वहीं पूर्व विधायक

पशुपति राय ने बताया कि वर्ष 2023 के एनसीआरबी रिपोर्ट आंकड़ों के अनुसार महिलाओं पर अपराध में यूपी पहले स्थान पर है और इसी रिपोर्ट के अनुसार देश में होने वाले अपराधों में 15% अपराध सिर्फ उत्तर प्रदेश में हो रहे हैं। शहर अध्यक्ष संदीप विश्वकर्मा ने कहा कि पीएम मोदी जी की लोकसभा काशी में आईआईटी छात्र के साथ अश्लील और घिनौनी करतूत करने वाले भाजपा आईटी सेल के कार्यकर्ता निकले, अंत तक उन्हें बचाने का प्रयास हुआ लेकिन सच को बहुत देर तक नहीं छुपाया जा सकता। सुनील राम ने कहा कि हमारी मांग है कि यूपी मैं महिला सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाए वाराणसी की बेटियों की भावनाओं का ख्याल रखते हुए बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ का नारा देने वाले पीएम श्री नरेंद्र मोदी जी इस घटना के लिए देश की बेटियों से माफी मांगे और माननीय प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी श्री अजय राय जी ने कहाँ पर उनके ऊपर जो फर्जी मुकदमा दर्ज कराया गया है उनके ऊपर से उसे मुकदमे को तत्काल वापस लिया जाए क्योंकि उनका कथन बिल्कुल सही था। इस अवसर परप्रमुख रूप से , वरिष्ठ कांग्रेस नेता अजय सिंह पीसीसी सदस्य जनक कुशवाहा, अजय कुमार श्रीवास्तव, ज्ञान प्रकाश सिंह,महबूब निशा ,डॉ सुमेर कुशवाहा, चंद्रिका सिंह, राजीव सिंह, राजेश गुप्ता,सतीश उपाध्याय, हामिद अली , सदानंद गुप्ता, आलोक यादव, रईस अहमद, ओमप्रकाश पांडे ,सदानंद गुप्ता, विद्याधर पांडे, रतन तिवारी,ओमप्रकाश पासवान, सूरज खरवार, आशुतोष सिन्हा, राजेश सिन्हा, लखन श्रीवास्तव, देवेंद्र सिंह, विपिन बिहारी वर्मा, संतोष कुमार पांडे, रामप्रसाद मोहम्मद कादिर आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रतिदिन अयोध्या में 150 तो काशी में 200 होती है रजिस्ट्री, संख्या में दोगुनी रफ्तार से इजाफा!

काशी में रजिस्ट्री का टर्नओवर 16000 करोड़ तो अयोध्या में पहुंचा 3500 करोड़ पर

अयोध्या में रजिस्ट्री 28 हजार से 50 हजार तो काशी में 40 से 72 हजार वार्षिक पर पहुंची संख्या

प्रखर डेस्क। धार्मिक राजधानी कही जाने वाली काशी, वही दूसरी तरफ राम की नगरी अयोध्या श्रीराम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर इन दिनों लगातार चर्चा में है। इसके अलावा एक नई चर्चा यह है कि अयोध्या व काशी में जमीन की रजिस्ट्री कराने की संख्या दोगुनी हो गई है। दोनों शहरों में आस्था के सुनामी की वजह से आश्रम, होटल, गेस्ट हाउस, रेस्ट हाउस और मंदिरों के लिए जमीन पाने की होड़ मची हुई है। 5 साल पहले जहां अयोध्या में सालाना 28000 रजिस्ट्री होती थी, वहीं बीते वर्ष रजिस्ट्री की संख्या 50000 को पार कर चुकी है। दूसरी तरफ काशी की बात करें तो इसी अवधि में रजिस्ट्री की संख्या 40000 से बढ़कर 72000 सालाना को पार कर चुकी है। अनुमान है कि आने वाले समय में प्रतिवर्ष 1 लाख के आसपास वाराणसी में रजिस्ट्री होगी। बता दें कि धार्मिक नगरी काशी में बाबा विश्वनाथ कॉरिडोर के बाद विश्व स्तरीय क्रिकेट स्टेडियम की घोषणा के बाद रजिस्ट्री करने वालों की संख्या में लगातार इजाफा देखा जा रहा है। जमीन में इन्वेस्ट करने वालों का रुझान लगातार काशी और अयोध्या की तरफ बढ़ता जा रहा है। रजिस्ट्री राजस्व विभाग के एक आंकड़े के अनुसार बीते 5 वर्ष पूर्व में 92 करोड़ का राजस्व रजिस्ट्री से होता था, लेकिन वही बढ़कर बीते वर्ष 177 करोड़ पहुंच गया। रजिस्ट्री वाली जमीन की सरकारी कीमत 3500 करोड रुपए को भी पार कर चुकी है। काशी की बात करें तो रजिस्ट्री वाली जमीन की सरकारी कीमत 8200 करोड़ से बढ़कर 16000 करोड रुपए पर कर चुकी है। माना जा रहा है कि अयोध्या में जमीन की कीमत अगले 5 साल में नोएडा को टक्कर दे सकती है।

संक्षिप्त खबरें

भोजपुरी गीतकार एवं प्रख्यात आकाशवाणी, दूरदर्शन के कवि डॉ. हरिराम द्विवेदी हरि स्मृति में जनकल्याण परिषद द्वारा दी गई पुष्पांजलि एवं दीपांजलि

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। वाराणसी महानगर के लहुराबीर आजाद पार्क में भोजपुरी गीतकार एवं आकाशवाणी और दूरदर्शन के प्रख्यात कवि डॉ.हरिराम द्विवेदी हरि भैया को जनकल्याण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष गंगा सहाय पाण्डेय के अध्यक्षता में पुष्पांजलि एवं दीपांजलि अर्पित किया गया` अध्यक्षीय संबोधन में गंगा सहाय पाण्डेय ने कहा कि हरिभैया स्पष्टवादी, सरल हृदय मृदुभाषी होने के साथ -साथ सबसे मिलजुलकर समझौतावादी व्यक्तित्व के धनी थे` अधिकांशतः उनकी रचनाएं काशिका और भोजपुरी में हैं शब्द श्रृजन भी उनका लाजवाब है ऐसे श्रेष्ठ रचनाकार को हम-सब खोकर अत्यन्त कष्टदायक महसूस कर रहे हैं संचालन सिद्ध शर्मा सिद्ध ने किया` पुष्पांजलि एवं शोक श्रद्धांजलि में डा.गिरीश पाण्डेय, डॉ. सिद्धनाथ शर्मा सिद्ध, इंद्रजीत तिवारी निर्भीक, डॉ.जयशंकर जय, नवनीत सिंह, संजय पाण्डेय, टीकाराम शर्मा सहित अनेकों रचनाकारों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया।

4 से 7 फरवरी तक आयोजित होगी प्रदेश स्तरीय जूनियर बालक बालीबाल प्रतियोगिता- उप क्रीड़ा अधिकारी दिलीप कुमार

प्रखर संतकबीरनगर। उपक्रीडाधिकारी दिलीप कुमार ने बताया है कि दिनांक 04 से 07 फरवरी 2024 तक स्पोर्ट्स स्टेडियम अमेठी में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालक हैण्डबाल प्रतियोगिता एवं दिनांक 13 से 16 फरवरी 2024 तक क्षेत्रीय खेल कार्यालय लखनऊ में आयोजित होने वाली प्रदेश स्तरीय सब जूनियर बालिका हैण्डबाल प्रतियोगिता हेतु जनपदीय एवं मण्डलीय चयन/ट्रायल्स निम्नलिखित तिथियों पर निर्धारण किया गया है। उन्होंने बताया कि हैण्डबाल सब जूनियर बालक वर्ग तथा हैण्डबाल सब जूनियर बालिका वर्ग का जिला स्तरीय चयन/ट्रायल दिनांक 24.01.2024 को तथा मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल 25.01.2024 को प्रातः 10 बजे किया जायेगा। उक्त चयन/ट्रायल्स में प्रतिभाग हेतु खिलाडियों की आयु 01-01-2009 को या उसके बाद की होनी चाहिए। खिलाडी को अपना आधार, बैंक पासबुक की प्रथम पृष्ठ की छायाप्रति जिसमें खाता संख्या और आई0एफ0एस0सी0 कोड स्पष्ट रूप से अंकित हों लाना अनिवार्य है।

प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद के आश्वासन पर हड़ताल स्थगित : प्रदेश अध्यक्ष

प्रखर लखनऊ। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन द्वारा आयोजित 1जनवरी से प्रदेश में राशन वितरण हड़ताल कल प्रमुख सचिव आलोक कुमार के साथ संगठन की बैठक के बाद स्थगित कर दिया है। प्रदेश के तीनो संगठन के अध्यक्ष राजेश तिवारी अशोक मल्होत्रा कमलेश मिश्रा गिरीश तिवारी अशोक सिंह जग्गू मिश्रा के साथ प्रमुख सचिव की लखनऊ मे आश्वासन के बाद स्थगित कर दिया गया है। प्रमुख सचिव द्वारा यह कहा गया कि आप लोगों का कमीशन जल्द बढाया जायेगा। तथा आपलोगो का बकाया सभी भुगतान जल्द से जल्द कराया जायेगा। प्रमुख सचिव के आयुक्त सौरभ बाबू अपर आयुक्त अटल कुमार राय अपर आयुक्त जी सी राय के संगठन छः प्रतिनिधि के साथ योजना भवन लखनऊ के बैठक हुई।तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की वैचुवल बैठक में 16जनवरी को दिल्ली के रामलीला मैदान में होनी वाली विशाल धरना प्रदर्शन भी स्थगित कर दिया गया है।यह जानकारी कल वैचुवल बैठक में निर्णय लिया गया।आज से प्रदेश भर में राशन वितरण किया जायेगा।यह जानकारी राष्ट्रीय सचिव/प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने दिया।

रेवतीपुर पुलिस ने किया देशी तमंचा व जिन्दा कारतूस संग अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद गाजीपुर द्वारा अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी जमानियां के कुशल निर्देशन में वांछित, वारण्टी, नकबजनी, लूट, शातिर अपराधियो की चेकिंग के दौरान नसीरपुर तिराहे पर समय करीब 03.00 बजे अभियुक्त बलवन्त यादव पुत्र महेश यादव निवासी ग्राम नसीरपुर थाना रेवतीपुर जनपद गाजीपुर को 1 अदद देशी अवैध तमन्चा .315 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस .315 के साथ गिरफ्तार किया गया । जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर धारा- 3/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं